

**TEXT PROBLEM
WITHIN THE
BOOK ONLY**

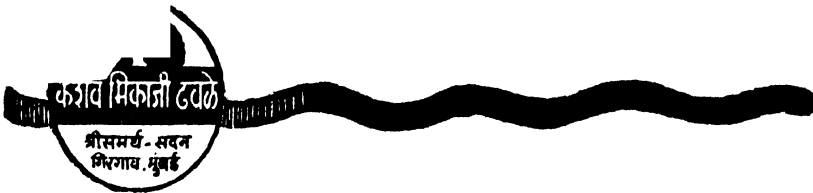
**TEXT
PROBLEM**

चन्देरी लहरी

शान्ताराम आठवले

ह्यांची चित्रपटांतील
अति लोकप्रिय अशी
निवडक ६५ गाणी

नो टेश न सह



मूल्य अडीच रुपये

UNIVERSAL
LIBRARY

OU_194193

UNIVERSAL
LIBRARY

OSMANIA UNIVERSITY LIBRARY

Call No. M781.24/A86ch Accession No. M4646

Author चन्देरी लहरी आठवले शान्ताराव.

Title चन्देरी लहरी. 1947

This book should be returned on or before the date last marked below.

11 DEC 1961

| | | |
|--|--|--|
| | | |
|--|--|--|

चन्देरी लहरी

शान्ताराम आठवले

छांचीं चित्रपटांतील
अति लोकप्रिय अशीं
निवडक ६५ गाणीं

नो टेश न सह



* ५२ *

मूल्य अडीच रुपये

सर्वाधिकार सुरक्षित
प्रथमावृत्ति : १९४७

मुद्रक : ज. दि. देसाई
राष्ट्रवैभव छापखाना
गिरगांव, मुंबई ४.
प्रकाशक : के. भि. ढवळे
भीसमर्थ-सदन : २
चिराबाजार, मुंबई २
मुखपृष्ठ : द. ग. गोडसे

प्रस्तुत पुस्तक १९४३ सालीं प्रसिद्ध न्हावयाचें, तें १९४७ मध्ये
प्रकाशित होत आहे ! ह्याला कारण लढाई !

माझे गायक मित्र श्री. बाळकृष्णबुवा वाडीकर ह्यांनीं स्वरलेखन करून
दिलें आहे. स्वरलेखनाची सर्व जबाबदारी त्यांचीच, श्रेयही
त्यांचेंच !

माझ्या गाण्यांपैकीं निवडक गीतांचाच समावेश ह्या संग्रहांत केला आहे.
साधारणपणें ज्या गाण्यांचीं ग्रामोफोन रेकॉर्डस् प्रसिद्ध झालीं
आहेत, अशींच गाणीं ह्यांत संग्रहित केलीं आहेत.

१९६ सदाशिव, पुणें }
८८ १।६।४७ }

—शान्ताराम आठवले

खुणांचा खुलासा

| | |
|-------------------|-------------|
| तीव्र स्वर | म |
| शुद्ध स्वर | खूण नाही |
| कीमल स्वर | ग, ध, नी |
| मंद्र सप्तक | नी धं पं |
| मध्य सप्तक | खूण नाही |
| तार सप्तक | सा रे' ग' म |
| स्वर लांबविणें | सा SS रेS |
| एका मात्रेत जास्त | |
| स्वर घेण्याची खूण | सारेगम |
| समेची खूण | सा |
| काल खूण | प |
| | ० |

अनुक्रम



अमृतमन्थन

| | | | | |
|---------------------|-----|-----|-----|---|
| किति सुखदा येत निशा | ... | ... | ... | १ |
| सुवसना मोदमय भूबाला | ... | ... | ... | २ |
| राही मम मानसांत | ... | ... | ... | ३ |
| होई सुखद जगत | ... | ... | ... | ४ |
| अमृत प्रगट झालें | ... | ... | ... | ५ |

कुंकू

| | | | | |
|------------------------|-----|-----|-----|----|
| भारतीं सृष्टीचें | ... | ... | ... | ६ |
| अहा भारत विराजे | ... | ... | ... | ८ |
| मन सुद्ध तुझं | ... | ... | ... | १० |
| रचिलें प्रभुनें जग हें | ... | ... | ... | १२ |
| प्रभुराया रे ! | ... | ... | ... | १४ |
| एक होता राजा | ... | ... | ... | १६ |

तुकाराम

| | | | | |
|----------------------|-----|-----|-----|----|
| आधीं बीज एकलें | ... | ... | ... | १८ |
| निशिदिनि हरिचा ध्यास | ... | ... | ... | १९ |
| वानुं किति रे संदया | ... | ... | ... | २० |

गोपालकृष्ण

| | | | | |
|-----------------------|-----|-----|-----|----|
| गौळणि मे साजणी मे | ... | ... | ... | २१ |
| झर झर झर झर धार झरे ! | ... | ... | ... | २२ |
| वन्दित राधा बाला ! | ... | ... | ... | २३ |
| घेइं रे सोनुल्या | ... | ... | ... | २४ |
| शिशुपण बरवें | ... | ... | ... | २५ |

| | | | | |
|---------------------|-----|-----|-----|----|
| गुणशीला तूं अतुला | ... | ... | ... | २६ |
| उमगायाची न्हाई कुना | ... | ... | ... | २७ |
| रत्नावानी गाई छान ! | ... | ... | ... | २८ |
| भाग्यवती ही कपिला | ... | ... | ... | २९ |
| तुझाच छकुला | ... | ... | ... | ३० |
| हासत नाचत जाऊं | ... | ... | ... | ३१ |

माझा मुलगा

| | | | | |
|--------------------------|-----|-----|-----|----|
| होइल गम्मत-? | ... | ... | ... | ३३ |
| मज फिरफिरुनि छळिसि कां ? | ... | ... | ... | ३५ |
| उसळत तेज भरे गगनांत | ... | ... | ... | ३७ |
| जीवा तुझ्या मोहिनीनें | ... | ... | ... | ३८ |
| पाहूं रे किति वाट ! | ... | ... | ... | ३९ |

संत ज्ञानेश्वर

| | | | | |
|------------------|-----|-----|-----|----|
| बघ मंगल दिन आला | ... | ... | ... | ४१ |
| आम्ही दैवाचे | ... | ... | ... | ४३ |
| चरण शरण देवा | ... | ... | ... | ४५ |
| आनंद आनंद अवघा ! | ... | ... | ... | ४६ |

शेजारी

| | | | | |
|---------------------------|-----|-----|-----|----|
| हासत वसंत ये वर्नी | ... | ... | ... | ४७ |
| काका अब्बा | ... | ... | ... | ४९ |
| जिवाचं मैतर तुम्ही माझ्या | ... | ... | ... | ५२ |
| राधिका चतुर बोले | ... | ... | ... | ५५ |
| लखलख चन्देरी | ... | ... | ... | ५८ |
| सारे प्रवासी घडीचे | ... | ... | ... | ६० |

सन्त सखू

| | | | | |
|----------------------|-----|-----|-----|----|
| सुखविन पतिदैवता | ... | ... | ... | ६२ |
| शुभ बोल मुखें बोलावे | ... | ... | ... | ६४ |

| | | | |
|--------------------------------|-----|-----|----|
| पाण्डुरंग भेट्टी वैष्णव निघाले | ... | ... | ६६ |
| भाव भुकेला हरी ... | ... | ... | ६८ |

द हा वा ज तां

| | | | |
|---------------------------|-----|-----|----|
| हवास मज तूं हवास | ... | ... | ७० |
| तो म्हणाला-सांग ना गे | ... | ... | ७२ |
| हैं चिमणं गोजिरवाणं | ... | ... | ७४ |
| गोड गुपित कळलं | ... | ... | ७६ |
| चल थरकत मुरकत | ... | ... | ७८ |
| हृदया ! केवि तुला समजावूं | ... | ... | ८० |
| दिसते सृष्टी आज नवीन् | ... | ... | ८२ |

भरत भेट

| | | | |
|------------------------|-----|-----|----|
| उद्यां होइल राजा राम ! | ... | ... | ८४ |
| चालला वना रघुवीर ! | ... | ... | ८६ |
| वन्दुनि पावन पाया ! | ... | ... | ८९ |
| सांगा शोधुं कुठें ? | ... | ... | ९१ |
| आले आले रघुवीर ! | ... | ... | ९३ |

आपलें घर

| | | | |
|------------------------------|-----|-----|-----|
| देश आपुला-हें अपुलें घर | ... | ... | ९६ |
| आला श्रावण नाचत गात | ... | ... | ९९ |
| बाळा जोजो अंगाई | ... | ... | १०१ |
| दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार | ... | ... | १०३ |
| तें नाही रे नाही | ... | ... | १०५ |
| ही सजीव सुमनें देवा ! | ... | ... | १०७ |

अमृत-मंथन

सुखदा निशा

किति सुखदा येत निशा । गमे मनासी माता
 सिञ्चित जगता आशा ॥
 ताराकुल नभिं हसतें । वसुधातलिं वन फुलतें
 लुटित गन्ध मन्द पवन । उधळि पहा दाहि दिशा ! ॥

राग काँफी—ताल—एकताल मात्रा ६

| | | | |
|----------------------------------|--|---|---------------------------------------|
| × | ○ | × | ○ |
| रे म प ध प म प किति सु ख दा ○ | रे गुरेसा रे नीं सा ये ○ त ○ नि शा ○ | सारे ग् मपम प ऽ मपधप गरे गमे ○ मना ○ ○ सी ○ मा ○ ○ ता ○ | |
| ध ऽ ध ध ध नीं सिं ○ चित ज ग | धप मप धप गुरे ता ○ ञा ○ ○ ○ शा ○ | ॥ ध्रु. ॥ | |
| म ऽ प ऽ नी ध ता ○ रा ○ कु ल | सां सां सां रे' सां ऽ न भिं ह स तें ○ | ध सां सां रे' मं गं रे' सां व सु धा ○ ○ ○ त लिं व न फु ल तें ○ | |
| ध ध ध ध ऽ ध लु टि त गं ○ ध | ध नी प ध म प मं ○ द प व न | रे म प ध म प उ ध ळि प हा ○ | रे ग् सा रे नीं सा दा ○ हि दि शा ○ |

प्रणयमय विश्व

सुवसना मोद-मय भूबाला । ऋतु वसन्त आला ! ॥

वैभवशाली प्रियकर गमला

भेटाया ये निज रमणीला

सुफलित होत प्रीत या काला । प्रणयच जगतीं भरला ! ॥

सुवसना० ताल—केरवा

| | | | | |
|------|-----------------|---------------|-----------------|----------------|
| | x | o | x | o |
| प ध | नी सा॑ ऽ नी | ऽ सा॑ सा॑ | नी ऽ ध ऽ | ग ऽ ग ग |
| सु व | स ना० मो | ० द म य | भू० बा० | ळा० ऋ तु |
| | म े ऽ सा | गम पध नीसा॑ ऽ | ध ऽ पनी धप | गम पध |
| | व स० न्त | आ००००००० | ला०००००० | ०० सु व ॥ध्रु॥ |
| | ऽ ध प ध | सा॑ ऽ सा॑ ऽ | ऽ सा॑सा॑ सा॑सा॑ | नी सा॑ ध ऽ |
| | ० वै भ व | शा० ली० | ० प्रिय कर | ग म ला० |
| | ऽ नीनी ऽ | सा॑नी सा॑ ध ऽ | ऽ म प म प | मध पम ग ऽ |
| | ० भेटा० | या० ० ये० | ० निज र म | णी०००ळा |
| | ऽ गुगु ग म | रे ऽ सा ग | ऽ म प ध | नी ऽ सा॑ ऽ |
| | ० सु फलित | हो० त प्री | ० त या० | का० ला० |
| | ऽ सा॑सा॑ सा॑सा॑ | सा॑ सा॑ सा॑ ऽ | नी सा॑ ऽ धऽप | ग प म ध |
| | ० प्र ण य च | ज ग तीं० | भ र ला०० | ०० सु व ॥१॥ |

प्राणनाथ

राही मम मानसांत । रम्य मूर्ति प्राणनाथ ॥

करि विकसित हृदय -सुमन हा वसन्त जीवनांत ! ॥

छलित परी विरह-रात । असुरासम घोर ध्वान्त ॥

ने लयास जीवितेश अबला ही होत श्रान्त ! ॥

राग पहाडी—ताल—विलंबित, एकताल, मात्रा १२

×

नी नीप ध्रसा ऽ नी धप
रा ० ० ही ० ० म म ०

ध ऽ ध गप धनी ध
र ० म्य मू ० ० ० ति

म गमप रे रे सा सा
क रि ० ० विक सि त

धसारेगं सारेगं सां रें नी सां
हा ० ० ० ० ० व सं ० त

म म म ध ध ऽ
छ लित प री ०

ध सा धसारेगं सारेगं सा सा
अ सु रा ० ० ० ० ० स म

म ऽ प रे ऽ सा
ने ० ल या ० स

ध सां धसारेगं सारेगं सां रें
अ ब ला ० ० ० ० ० ही हो

०

गपधनी पधनी ध प ग म
मा ० ० ० ० ० न सां ० त

प म ध प ग म
प्रा ० ण ना ० थ

म ध ध नीध्र सां सां
हृ द य सु ० म न

सां धप पधनी धनीधप ग म
जी व ० नां ० ० ० ० ० ० त ॥ ध्रु ० ॥

म ध नीध्र सां ऽ सां
विर ह ० रा ० त

रें नी सां ध ग म
घो ० र ध्वां ० त

म म ध ऽ नीध्र सां
जी वि ते ० ० ० श

नी सां ध पनीधप ग म
० त श्रा ० ० ० ० ० न्त ॥ १ ॥

सुखद जगत्

होई सुखद जगत् । जरि नृपति सुनयरत् ।
 सुर-सुखचि अवतरत् । भुवनांत या ! ॥
 विपदेंत नित तपत् । जन-हृदय-भू आर्त,
 नृप-जलद जणुं करित सलिलमय क्षिति—
 सुखवि जनतेस या ! ॥

राग भीमपलास—ताल—झपताल, मात्रा १०

| | | | |
|---------------|----------------------------|---------|---|
| × | | | × |
| नी सा ऽ सा । | नी सा नी धप गुम | | |
| हो ई सु | ख द ज ग० त० | | |
| प म प ग् सा | म ग् रे रे सा. | | |
| जरि नृ प ति | सु न य र त | | |
| नीं नीं सा मम | प प म प ग् म | | |
| सु र सु ख चि | अ व त र त | | |
| प नी सा ग् रे | सा ऽ नी सा रे सा नीधमप गुम | ॥ध्रु०॥ | |
| भु व नां० त | या०००००००००००००० | | |
| प प ग् ऽ म | प नी सा सा सा | | |
| विप दें० त | नित त प त | | |
| प नी सा ग् रे | नी सा नी ध प | | |
| जन हृ द य | भू० आ० र्त | | |
| प प प ग् सा | म ग् रे रे सा | | |
| नृ प ज ल द | ज णुं क रि त | | |
| नीं नीं सा मम | प प प ग् म | | |
| स लिल म य | क्षिति सु ख वि | | |
| प नी सा ग् रे | सा ऽ नी सा रे सा नीधमप गुम | ॥१॥ | |
| जन ते० स | या०००००००००००००० | | |

अमृत-मन्थन

अमृत प्रगट झालें । करितां तें विष-मन्थन ॥
 भू-देवी 'मोहिनीस' । दे 'माधव' वैभवास
 ये 'सुमित्र' उदयासी । वरदवचन बोले ! ॥

भैरवी—ताल—दादरा

| | | | | |
|------------------|--|-------------------------|--|-----------|
| × | | × | | × |
| सा ग् ग् म प म | | ग म ग् प म ग् रे सा नी | | |
| अ मृत प्र ग ट | | झा००० ०० लें ०० | | |
| सा प प ऽ प ऽ | | प नी प नी सा नी प म | | ॥ ध्रु० ॥ |
| क रि तां० तें० | | वि ष म ००० न्थ न | | |
| ग् ऽ म ध्रु नी ऽ | | सा ऽ सा सा ऽ सा | | |
| भू० दे० वी० | | मो० हि नी० स | | |
| नी ऽ सा ऽ सा सा | | प नी सा ग् सा ध्र ऽ प | | |
| दे० मा० ध व | | वै००० भ वा० स | | |
| प ऽ प प ऽ प | | प नी प नी सा नी प म | | |
| ये० सु मि० त्र | | उ द या००० सी० | | |
| सा ग् ग् म प म | | ग् म ग् प म ग् रे सा नी | | |
| व र द व च न | | बो०००००० ले०० | | |

कुंकूं

भारताचें सृष्टिसौन्दर्य

भारतीं सृष्टीचें सौन्दर्य खेळें,
दावित सतत रूप आगळें ॥
वसन्त वनांत जनांत हांसे,
सृष्टीदेवी जणूं नाचे उल्हासें ॥
गातात सङ्गीत पृथ्वीचे भाट,
चैत्र-वैशाखाचा पेसा हा थाट ॥
ज्येष्ठ-आषाढांत मेघांची दाटी,
कडाडे चपला होतसे वृष्टी ॥
घालाया सृष्टीला मङ्गलस्नान,
पूर अमृताचा साण्डे वरून ॥
गगनीं नर्तन कृष्ण-मेघांचें,
भूतलीं मयूर उत्तान नाचे ॥
श्रावणीं पाऊस हास्याचा पडे,
श्रीकृष्ण-जन्माची दंगल उडे ॥
बान्धीती वृक्षांना रम्य हिन्दोळे,
कामिनी घरणी वैभवीं लोळे ॥

भारतीं सृष्टीचें—ताल—दादरा.

| | | |
|------------------|----------------------|--------------|
| × | × | × |
| मगरे सा नीं सा | रेम रेम प मप धनी धनी | ध प ध म ग रे |
| भारतीं सृष्टीचें | सौंदर्य खेळे ००००० | दा वित सतत |

रेग सा सारेगम गरे
रू० प आग००ळें ॥ध्रु०॥

| | |
|--|--|
| ध॒म॒ प॒ नी॒ सा॑ सा॑ ब॒ स॒ न्त॒ ब॒ ना॑ त | रे॑ ग॒ रे॑ सा॑ नी॒ सा॑ ऽ ज॒ ना॑ त हा॑ ० से ० |
| नी॒ सा॑ रे॑ म॒ ग॒ रे॑ सृ॒ ष्ठी॒ दे॒ वी॒ ज॒ णुं | नी॒ सा॑ रे॑ ग॒ रे॑ नी॒ सा॑ ऽ ना॒ चे॒ उ॒ ० ० स्हा॑ सें० |
| ध॒ म॒ प॒ नी॒ सा॑ सा॑ गा॒ ता॒ त॒ सं॒ गी॒ त | नी॒ सा॑ सा॑ सा॑ प॒ नी॒ सा॑ रे॑ सा॑ रे॑ पृ॒ थ्वी॒ चे॒ भा॒ ट॒ ० ० ० ० |
| सा॑ नी॒ नी॒ ध॒ प॒ ध॒ म॒ ग॒ रे॑ चे॒ त्र॒ वै॒ शा॒ खा॒ चा॒ ० | रे॑ ग॒ नीं॑ सा॒ रे॑ ग॒ म॒ ग॒ रे॑ ऐ॒ सा॒ हा॒ था॒ ० ० ट॒ ० |

॥१॥

(पुढील सर्व अंतरे, पहिल्या अंतऱ्याप्रमाणे.)

‘अहा भारत विराजे!’

अहा भारत विराजे । जगा दिपवित तेजें
भादव्यांत येती गौरी-गणपती
उत्सवा येई बहार् ।

मेळे आरास करोनी — गाती हंसुनी नाचूनी
ध्वनी त्यांतहि गाजे — ‘अहा भारत विराजे’ ॥
नवरात्र पूजेची आश्वीन-शोभा
करिति नारी शृंगार् ॥

लेऊनि वसनें मजेदार — गळा विविध अलंकार
ध्वनि त्यांतुनि निनादे — ‘अहा भारत विराजे’ ॥
आली दिवाळी — भुवन उजळी
आनन्द घे अवतार् ॥

दीपक नभींचें भूवरी येतीं
दाविती शोभा अपार्
माला-तोरणें फुलांचीं — वसनें भूषणें जनांचीं
शोभा पाहुनी धरेची—
मनीं स्वर्गहि लाजे — ‘अहा भारत विराजे’ ! ॥

अहा भारत विराजे—ताल—दादरा

| | | | | |
|--------|--------------------|--------------|-------|--------|
| × | | × | | × |
| ध प ध | म प म ध पनी ध्रु | मुग | रे ऽ | गरे ग |
| अ हा ० | भा र त वि रा ० ० ० | जे ० ० ० | जगा ० | |
| | सा रे सा ग रे ग | सा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | | ॥ध्रु॥ |
| | दि प वि त ते ० | जे ० ० ० ० ० | | |

सा म म म ग म
भा द ब्यां त ये ती

प ध प ध नी नी
गौ री ग ण प ति

प ध प नी ध नी
उ त्स वा ये ई ब

प ऽ प नी ध नी
हा ० र मे ले ०

प ध प नी ध नी
आ रा स करो ०

प ऽ ऽ नी ध नी
नी ० ० गा ती ०

प ध प नी ध नी
हं सु नी ना चू ०

प ऽ ऽ प प ऽ
नी ० ० ध्व नी ०

म प म प प नी ध्रु प
ल्यां ० त हि गा ० ० ०

मृ गु र ऽ ग रे ग ॥१॥
जे ० ० ० अ हा ०

(नवरात्र पूजेची इ. दुसरा अंतरा, पहिल्या अंतन्याप्रमाणं.)

प सा नी सा नी सा
आ ङि दि वा ळी ०

ध नी ध नी ध नी
भु व न उ ज ळी

प ध प म ग म
आ नं द वे अ व

प ऽ ऽ ऽ ऽ प ॥३॥
ता ० ० ० ० र

('दीपक नभीचे' पासून पुढें पहिल्या अंतन्याप्रमाणं.)

तूं चाल पुढं—

मन सुद्ध तुझं गोष्ट हाये पृथ्वी-मोलाची ।
 तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।
 पर्वा बी कुनाची ॥

झेण्डा भल्या कामाचा जो घेउनि निगाला,
 कांटकुट वाटमन्दी बोंचति त्येला,
 रगत निगल् , तरी बी हंसल् , शाबास त्येची ॥
 तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।
 पर्वा बी कुनाची ॥

जो वळखितसे औक्ष म्हंजी मोटी लडाई ।
 अन् हत्याराचं फुलावानि घांव बी खाई
 गळ्यामन्दी पडल् त्येच्या, माळ इजयाची ।
 तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।
 पर्वा बी कुनाची ॥

मन सुद्ध तुझं—ताल—दादरा, मात्रा ६

| | | | |
|----------------|------------------|------------------|--------------------|
| सा सा | प ऽ प प प ऽ | प ऽ प प प ऽ | प प प म प ध |
| म न | सु ० द्द तु झं ० | गो ० ष्ट हा ये ० | पृ थि वी मो ला ० |
| | पु ध ऽ ऽ ऽ म ऽ | प ध प म म ऽ | ग ग ग म्ग रे ऽ |
| | ची ० ० ० ० तूं ० | चा ० ल पु ढं ० | तु ला र ग ० ड्या ० |
| | रे ऽ रे रे सा ग | रे ऽ ऽ ऽ र रे | रे ऽ सा सा रे ग |
| | भी ० ति क शा ० | ची ० ० ० प र | वा ० बी कु ना ० |
| सा ऽ ऽ ऽ सा सा | | | |
| ची ० ० ० म न | सु द्द तु झं | ॥ध्रु०॥ | |

ग ऽ ग प प ध सां ऽ सां सा सां ऽ नी ध प प ध नी
झें ० डा भल्या ० का ० मा चा जो ० वे उ नि नि गा ०

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ग ऽ ग प प ध रें सां सां सां सां ऽ
ला ० ० ० ० ० कां ० ट कु टं ० वा ० ट मं दी ०

नी ऽ ध प ध नी प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ग प प प प प
बों ० च ति त्ये ० ला ० ० ० ० ० र ग त नि ग ल्

ग प प प प प प ऽ प ऽ प ऽ म प ध ऽ ऽ ऽ म ऽ
त री बी हं स ल् शा ० बा ० स त्ये ची ० ० ० तं ० ॥१॥

(चाल पुढं तुलार हे वरीलप्रमाणें.

‘ जो बळखितसे ’ हा, अंतरा ‘ झेंडा भल्या ’ प्रमाणें.)

मनोवैभव

रचिलें प्रभुनें जग हें विशाल—
 विशाल हें विश्व भल्याबुन्यांचें,
 नसे फुलांचें, नच कण्टकांचें ॥
 शिरीं धरीं हें कधीं दुर्जनांना,
 उरीं विदारी दुबळ्या जनांना ॥
 जरी टळेना विपदा कुणाला,
 हवी जगाला मृदु सौख्यमाला ॥
 स्वार्थी अशा या सुखलालसेनें,
 दुणावतें दुःख कुणी न नेणें ॥
 धरीं न चिर्तीं भय तूं जगाचें,
 हंसूनि साही शर आपदेचे ॥
 पहा खरें सौख्य तयांत राही,
 सुधाच होई मग आपदाही ॥
 तुझ्यासवें दुःखहि तें हंसेल,
 तुझें मनोवैभव वाढवील ॥

रचिलें प्रभुनें० ताल—केरवा.

(पहिली ओळ तालाशिवाय म्हणणें.)

धं नीं रे ऽ र सा रे गू ऽ र गु रे सा नीं ऽ ऽ नीं सा नीं सा ऽ
 र चिलें० प्र भु नें०० ०००० ००० ज ग हें०

धं नीं सा रे गू म गू म गू रे ऽ रे
 ०००००००० वि शा ल् ० ॥

X

ऽ नीं नीं ऽ नीं नीं
० वि ञा ० क हें

०

ऽ सा ऽ मा

० वि ० श्व

सा रे सा ऽ नीं पं धं
न्यां ० ० ० चें ० ०

म ग् ग् ऽ सा

कां ० ० ० चें

ध्रुप ग् ऽ सा

० टकां ० चें ॥ ध्र० ॥

सा ऽ सा ऽ

रीं ० हें ०

नींसा ऽ नीं पं धं

नां ० ० ना ० ०

म रेग ऽ सा

दा ० ० ० री

X

ऽ सा नीं सा रे ऽ सा

० म ० ल्या ० ० बु

ऽ सा ग् ऽ ग

० न से ० फु

ऽ साग ग्म ग्म

० न च कं ० ० ०

ऽ नीं नीं नीं

० शि रीं ध

ऽ नींसा ऽ नींसा रे सा

० क धीं ० दु ० ० जं

ऽ सा ग ग

० उ रीं वि

ऽ सा ग् सा ग् म् प

० दु ब क्यया ० ० ०

०

ध्रुप ग् सा ऽ ॥ १ ॥
० ज नां ना ०

X

ऽ म् प ग म

० ज री ० ट

ऽ प् प् प् ध्रु ऽ म्

० वि प दा ० ० कु

ऽ प् प् ध्र प

० ह वी ० ज

ऽ साग ग्म ग्म ध्रुप

० मृदु सौ ० ० ० ख्य

०

प ऽ प ऽ

के ० ना ०

प ध्रु ऽ प् प ध्रु नी ध्रु नी

णा ० ० ० ला ० ० ० ०

म ऽ ग सा

गा ० ला ०

ऽ ग् ऽ सा ऽ ॥ १ ॥

० मा ० ला ०

('स्वार्थी अशा या' — आणि 'पहा खरें सौख्य' हे दोन अंतरे—

'शिरीं धरीं हे' — या अंतन्याप्रमाणें

व

'धरीं न चितीं' — आणि 'तुझ्यासवें दुःख'—हे दोन अंतरे—

'जरी टळेना' — या अंतन्याप्रमाणें.)

प्रभुराया रे

प्रभुराया रे — हो संकट हैं अनिवार ॥
 खवलुनि सागर — गरजत नाचे
 चौहिकडे अन्धार् ॥
 फुटलें तारुं — कुणा पुकारुं ?
 जाइल कैसें पार ? ॥
 स्थिरली नौका क्षणभर वाटे
 दाविशि साक्षात्कार ! ॥
 परि तो ठरला भास, उफाळति
 लाटा अपरम्पार ॥
 पसरुनि निजकर — लहरीरूपें
 न्याहो सागरपार ॥
 धांवा ! धांवा ! सदया देवा !
 कोण दुजा आधार ? ॥

प्रभुराया रे० ताल—केरवा.

| | | | |
|-------------------------|----------------------------------|--------------------------------|---------------------------------|
| S S नी नी ०० प्र भु | X S सारे ग् Sसा ०रा० या ०० | ० रेग् म मग् रे० ० हो ० | X S म्पु नीप प ० सं० क० ट |
| ग S रे ग् हें ० ब नि | सा S S S वा ० ० ० | S सा नी नी ० र प्र भु | ॥धु०॥ |
| S पृधु पप ०ख ब लु नि | प S प धुप सा० गर ० | धु म्पु S म पम ० गर ० ज ० त | |

| | | |
|------------------------------|------------|----------|
| गम् ऽ रे रेगम्प गम् ऽ नी प प | ग् ऽ रे ग् | सा ऽ ऽ ऽ |
| बा००००चे००००००००० | टे० जं० | धा०००० |

ऽ सा नी नी ॥१॥
 • र प्र भु

| | | |
|-------------|---------------|-----------------|
| ऽ नीनी नी ऽ | ऽ पनी नीसां ऽ | ऽ नीनी सांनी षम |
| ० फु ट लें० | ० ता० हं०० | ० कु णा०००० |

| | | |
|----------------------------|------------|----------|
| म पधनी सांनी धप ऽ गम् ऽ धप | ग् ऽ रे ग् | सा ऽ ऽ ऽ |
| पु का००००० हं०० जा०० इ० ल | कै० से० | पा०००० |

ऽ सा नी नी ॥२॥
 • र प्र भु

| | | | |
|-----------|------------|-------------|-----------|
| ० | X | ० | X |
| ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ पप प ऽ | व ऽ पनीधप म | ऽ मम मम |
| ०००० | ० स्थिरली० | नौ० का००००० | ० क्षण भर |

| | | | |
|-------------|------------|------------|---------------|
| प सां नीध प | ऽ गम् नी प | ग् ऽ रे ग् | सा ऽ ऽ सा ॥३॥ |
| बा० टे०० | ० दा० विशि | सा० क्षा० | स्का००० र् |

('परि तो ठरला'—हा अंतरा 'फुटलें तारुं' प्रमाणें.)

('पसरुनि निजकर'—'स्थिरली नौका' प्रमाणें.)

('धांवा धांवा'—'फुटलें तारुं' प्रमाणें.)

राजाराणीची गोष्ट

एक होता राजा । एक होती राणी ॥
 अचल तयांची अनुपम प्रीती
 दिव्य तयांची सुंदर नगरी
 दुःख न तेथें वास करी ॥
 विदुनि आपुल्या सद्ना उतरे-
 स्वर्गसौख्य जणुं भूमिवरी ॥
 बोले राणी — 'मन्मन मोती' !
 राजा बोले — 'मी मनचोर' ! ॥
 राणी बोले — 'चन्द्रिकाच मी' !
 बोले राजा — 'मीहि चकोर' ॥
 प्रणयोद्यानीं करिती क्रीडा-
 दंग नर्तनीं हर्षभरें
 नाचति लतिका, फुलें, झरे ! ॥

एक होता राजा० ताल—केरवा.

(पहिल्या दोन ओळी तालाशिवाय म्हणणें.)

ग ग सा ऽ रे ग ऽ रे ग म ध म प
 एक् हो ता • रा • • • जा • • • •

ध ऽ ध ध प प ध नी ऽ सा ध ऽ प
 ए क् • हो ती • रा • • • • णी • •

| | | | |
|------------|------------|------------|-----------------|
| X | ० | X | ० |
| प ध प ध | ध रे सा ऽ | नी नी ध प | धनी सा नी ध प |
| अ च ल त | यां • ची • | अ नु प म | प्री • • • ती • |
| ऽ नी नी नी | नी ऽ नी ऽ | ऽ नी नी नी | नी प पुनी सा रे |
| दिव्य त | यां • ची • | ० सुं द र | न ग री • • • |

| | | | |
|-------------------------------|--------------------------|------------------------------------|----------------------------|
| ऽ रे रे रे ० दुः ख न | सा ग रे ऽ ते ० रे ० | ऽ नी ध नी ० वा स क | प ऽ ऽ ऽ री ० ० ० |
| ऽ नी नी नी नी ० वि दु नि आ | ऽ नी नी ऽ ० पु ल्या ० | ऽ नी नी नी ऽ ० स द ना ० | ध नी प ऽ उ त रे ० |
| नी ऽ नी नी स्व ० ग सौ | ऽ सा ग रे ० ह्य ज णुं | ऽ नी ध नी ० भू मि व | प ऽ ऽ ऽ री ० ० ० |
| ऽ म ग म ० बो ले ० | प ऽ प ऽ रा ० णी ० | प ध नी सा म ० न्म न | नी ध ध प ऽ मो ० ० ती ० |
| नी ऽ नी ऽ रा ० जा ० | नी ऽ नी ऽ बो ० ले ० | नी ध नी रे मी ० म न | सा ऽ ऽ सा चो ० ० र |
| ग ऽ ग ऽ रा ० णी ० | ग ऽ ग ऽ बो ० ले ० | रे ग म ग र सानी चं ० ० ० दिका ० | ध्र प ध सा ऽ ० ० च मी ० |

| | | | |
|-----------------------------|------------------------------------|------------------------------|---------------------------|
| X | ० | X | ० |
| ऽ ऽ रे ग म ग ० ० ० ० ० ० | रे सा ऽ ऽ ऽ ० ० ० ० ० | ऽ म ग म ० बो ले ० | प ध प ध नी रा ० जा ० ० |
| ऽ नी प ध ० मी हि च | प ऽ ऽ प को ० ० र | ऽ नी नी नी ऽ ० प्र ण यो ० | नी ऽ नी ऽ द्या ० नी ० |
| ऽ नी नी नी ऽ ० क रि ती ० | नी प प नी सा रे क्री ० डा ० ० ० | ऽ रे रे रे ० दं ग न | सा ग रे ऽ ० त नी ० |
| ऽ नी ध नी प ० ह र्ष भ | प ऽ ऽ ऽ रे ० ० ० | ऽ नी नी नी ० ना च ति | नी नी नी ऽ ल ति का ० |
| नी नी ऽ प फु ले ० झ | प नी सा रे ऽ ऽ रे ० ० ० ० ० | ऽ रे रे रे ० दं ग न | सा ग रे ऽ ० त नी ० |
| ऽ नी ध नी ० ह र्ष भ | प ऽ ऽ ऽ रे ० ० ० ॥ | | |

संत तुकाराम

एकलें बीज

आधीं बीज एकलें । बीज अंकुरलें । रोप बाढलें ।
एका बीजापोटीं । तरु कोटी-कोटी—
जन्म घेतीं सुमनें फळें ।
म्यापुनि जगता तूंहि अनन्ता !
बहुविध रूपें घेसी-घेसी । परि अन्तीं ब्रह्म एकलें ॥

आधीं बीज एकलें० ताढ—केरवा.

| | | | |
|-------------|-------------|---------------|----------------|
| X | | X | |
| ग ऽ ऽ ग | मग रे ऽ नीं | सा ऽ ऽ ऽ | नीं ऽ सा ऽ |
| ० ० ० बी | ज० ए० क | लें ० ० ० | भा ० ० धीं |
| ग ऽ रे ग | ग रे ऽ नीं | मा ऽ ऽ ऽ | ० |
| र० लें ० रो | प वा ० ढ | लें ० ० ० | धं नीं सारे |
| म म ऽ ग | रे ऽ पम | गरे ऽ ग | बीज अंकु |
| बीजा० पो | टीं ० तरु | कोटी० को | ऽ म म ऽ |
| ग रे ऽ ग | गरे ऽ नीं | सा ऽ ऽ ऽ | ० ए का ० |
| घेतीं० सु | मनें० फ | लें ० ० ० | रे ऽ पम |
| ऽ रे म म | प प प ऽ | मुप ध प म | टी० जन्म |
| व्या पु नि | जगता० | तूं० हि अ | नीं ऽ सा ऽ |
| सा ग ग ग | ग ऽ ग ऽ | गम गरे ऽ गम | भा० धीं० ॥धृ०॥ |
| ब हु वि ध | रु० पें० | घे०० सी०० घे० | ग ऽ सा ऽ |
| ग ऽ रे ग | ग रे ऽ नीं | सा ऽ ऽ ऽ | न ० म्या ० |
| अं० तीं ब्र | ह ए० क | लें ० ० ० | गरे ऽ पम |
| | | | सी०० परि |
| | | | नीं ऽ सा ऽ |
| | | | भा० धीं० ॥१॥ |

हरिचा ध्यास !

निशिदिनी हरिचा ध्यास जिवाला, व्याकुळ विरह करी-हृदया ! ।
 भुळबुनि जालीं राधा भोळी । छळ हा दारुण कां वनमाळी ?
 मृदु मञ्जुळ तव ऐकव मुरली । प्रीतिसुधा वितरी-सदया ! ॥

निशिदिनीं हरिचा० ताल—केरवा.

| | | | |
|------------------|---------------|------------------|---------------|
| × | ० | × | ० |
| ऽ पसा सां सां | सां रें नी ऽ | ऽ ध प म | म ध प ऽ |
| • नि शि दि नीं | ह रि चा • | • ध्यासजि | वा • ला • |
| ऽ ग् रे सा | रे ग् प म | प ऽ ऽ ऽ | म ध पध पम |
| • व्या कु ळ | वि र ह क | री • • • | हृ द या • • • |
| ग् रे ग् रे सा | रे ग् प म | प ऽ ऽ ऽ | म ध प ऽ |
| • • व्या कु ळ | वि र ह क | री • • • | हृ द या • |
| ऽ पु रें रें रें | रें ऽ ग् रें | ऽ रें ग् रें सां | नी ऽ सां ऽ |
| • भु ळ बु नि | जा • लीं • | • रा • धा • | भो • ली • |
| ऽ पु रें रें ऽ | रें ऽ ग् रें | ऽ रें ग् रें सां | नी ऽ सां ऽ |
| • छळ हा • | दा • रु ण | • कां • व न | मा • ली • |
| ऽ पसा सां ऽ | सां रें नी नी | ऽ नी ध प म | म ध प ऽ |
| • मृ दु मं • | जु ळ त व | • ऐ • क व | सु र ली • |
| ऽ ग् रे सा | रे ग् प म | प ऽ ऽ ऽ | म ध पध पम |
| • प्री ति सु | धा • वि त | री • • • | स द या • • • |
| ग् रे ग् रे सा | रे ग् प म | प ऽ ऽ ऽ | म ध प ऽ |
| • • प्री ति सु | धा • वि त | री • • • | स द या • |

॥४०॥

॥ १ ॥

साक्षात्कार !

वानुं किति रे सदया विदुराया दीनवत्सला !

दीनवत्सला धांवुनि ब्रीदासि राखिलें ।

अमृतचि हें वोळलें । कृष्ण रूपडें देखियलें !

विश्व अवघेंचि त्यांत विरलें, हें ध्यान सांवळें ॥

वानु कितिरे०

ताल—केरवा.

| ० | × | ० | × |
|-------------|-----------------|---------------|------------------|
| ॐ ग ॐ रे | ग ग म ॐ | ग रे रे ॐ | रे ग नीं सा |
| ० वा ० नुं | कि ति रे ० | स द या ० | वि दु रा ० |
| रे ग सा रे | ग ॐ ग म | ग रे ॐ नीं | सा ॐ ॐ ॐ |
| आ ० ० ० | ० ० दी ० | न व ० त्स | ला ० ० ० ॥ध्रु०॥ |
| | मा ॐ सा ग | ॐ म प ॐ | ग म प नीं |
| | दी ० न व | ० त्स ला ० | धां ० वु नि |
| ध ॐ प ॐ | म प ॐ म | ग ॐ ॐ ॐ ॥ १ ॥ | सा ॐ सा ग |
| ब्री ० दा ० | सि रा ० खि | लें ० ० ० | अ ० मृ त |
| म ॐ प ॐ | ॐ ग ॐ म | प ॐ ॐ ॐ | ग ॐ म प |
| चि ० हें ० | ० वो ० ल | लें ० ० ० | कृ ० ष्ण रू |
| ॐ नीं ध ॐ | प ॐ म प | ग ॐ ॐ ॐ | ग ॐ ग ग |
| ० प हें ० | दे ० खि य | लें ० ० ० | वि ० श्र अ |
| ग ग म ग | रे ॐ रे ॐ | रे ग सा रे | ग ॐ ग म |
| व घें ० चि | त्यां ० त ० | वि र लें ० | हें ० ध्या ० |
| ग रे ॐ नीं | मा ॐ ॐ ॐ | | |
| न सां ० व | लें ० ० ० ॥ १ ॥ | | |

गोपाल कृष्ण

मुरारी आणि व्रजनारी

कृष्ण—गौळणि गे, गौळणि गे, साजणि गे, साजणि गे,
थाम्ब जरा, थाम्ब जरा ॥

दहींदुध हें गोड किती,
उतरुनि घट ते दे मज, थाम्ब जरा ॥

एक गौळण—येई कन्हैया ये दहीं लोणी ।

दुसरी गौळण—वाहं तनमनधन तव चरणीं ।

कृष्ण— कां हा रुसवा ? मोहक फसवा ?
नाहिं वरा, थाम्ब जरा ॥

गौळणि गे० ताल—केरवा.

| | | | | | |
|---------------|----------------|-----------------|------------|------------|--------------|
| X | ० | X | ० | X | ० |
| ग प ध प | नी ध ध ऽ ऽ | ग प ध प | म ग ग ऽ ऽ | सा ऽ सा रे | प ऽ ऽ ऽ |
| गौळणि गे | ०००० | सा०जणि | गे ००० | थां०बज | रा००० ॥ध्रु॥ |
| प ध नी रे | सारे सा सा ऽ ऽ | प नी ध नी ध प ग | प ऽ ऽ ऽ | प ध ध प | ग प प ग |
| द हीं दुध हें | ०००००० | गो ०००० | ड०कि ती००० | उ त रु नि | घ ट ते ० |
| ग ऽ ग रे | सा ऽ सा रे | प ऽ ऽ ऽ | सा ऽ सा रे | प ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| दे०मज | थां०बज | रा००० | थां०बज | रा००० | ०००० ॥१॥ |
| ध ऽ ध रे | सा नी ध प | म ग सारे | सा ऽ सा ऽ | ध ऽ ध प | ध रे सा नी |
| ये०ईक | न्है०या० | घे०दहीं | लो०णी० | वा०हूं० | त न म न |
| ध प म ग | सा रे सा ऽ | ध ऽ ध प | ध नी ध ऽ | ध ध प | ध नी ध ऽ |
| ध न त व | च र णीं० | कां०हा० | रु स वा० | ० मोहक | फ स वा० |
| सा ऽ सा रे | प ऽ ऽ ऽ | सा ऽ सा रे | प ऽ ऽ ऽ | ॥ २ ॥ | |
| ना०हिं | ब रा००० | थां०बज | रा००० | | |

गोदोहन

झर झर झर झर धार झरे ।
 धार सुधेची, कामधेनुची ।
 भर भर भर भर कलश भरे ॥

नन्दनवनसम गमतेँ गोकुळ ।
 शान्तिसौख्यमय जीवन मंगल ।
 वैभव धन हें अमोल येथिल—
 धेनु, गोजिरी वांसरें ॥
 हरिची मुरली वाजे मञ्जुळ ।
 प्रमुदित करिते गोकुळ सारें ॥
 गोदोहन० ताल—केरवा.

| | | | |
|--------------|---------------|---------------|------------------|
| X | ० | X | ० |
| ऽ सारे ग म | ग गुरे सा सा | ऽ पध प ध | मऽऽऽ |
| ० झर झ र | झ र० झ र | ० धा० र झ | रे००० |
| ऽ ध प ध | ग प म ऽ | पध सांनी धप म | ग प म ऽ |
| ० धा र सु | धे ० ची ० | का०००० म० धे | ० नुची ० |
| ऽ सारे ग म | ग गुरे सासा | ऽ पध प ध | म ऽऽऽ |
| ० भर भर | भ र० भर | ० कळ श भ | रे ००० ॥ १ ॥ |
| ऽ प प प ग | प प पध पप | ऽ गम ऽ गुरे | गमगऽरे सासा |
| ० नं द न० | वन स० म० | ० गम ० तें० | गो०००० कुळ |
| प ऽ ग प | ऽ प म ध पप | ऽ गम गुरे | गम गुरे सासा |
| शां० ति सौ | ० ख्य म० थ० | ० जी० वन | मं००० गल |
| ऽ ध प प | प ध प ऽ | ग गम गुरे | गम गुरे सासा |
| ० वै भ व | ध न हें ० | भ मो००० ल | थे००० थिल |
| ग ऽ ग ग | ऽ म गुरे ग | रेगमपऽऽ म | गुरे सा ऽ |
| धे ० नु गो | ० जि री ०० | वा००००० स | रें ०० ० ॥ २ ॥ |
| ऽ पध ध प | ऽ गप प ध | गप गपधप ऽ म | गम गुरे सासा |
| ० हरि ची ० | ० मुर ली ० | वा०००००० जे | मं००० कुळ |
| ऽ सारे ऽ गप | ऽ सारे ऽ गम | ऽ ग रे गम | गुरे गुरे सा ऽ |
| ० प्रमु०दि त | ० करि ० तें ० | ० गो ० कुळ | सा००० रें० ॥ ३ ॥ |

वन्दन

वन्दित राधा बाला । गोपसख्या घननीळा ॥
 श्यामल प्रेमल नन्दकुमार
 ब्रह्म सानुलें हें साकार !
 जणूं स्वर्गीचें सुम सुकुमार
 मोहवि परिमळ हृदया-गोपसख्या घननीळा ॥
 करी दुरी-पाप हरी, निरसुनि माया,
 पावन करि जगताला ॥

वन्दित राधा० ताल—केरवा

| | | | | |
|-------------|-----------------|----------------------|-----------------|-------------------------|
| X | o | X | o | |
| मारे ग ग रे | सारे ग ग रे | साऽनीसागरे | ऽऽऽऽ | |
| वं०० | दिस रा०० | धा० बा०ळा००० | ०००० | |
| ऽ सा सा सा | नीसागरेसा | धं धं सा ऽ सा ऽ | नीमागरेऽऽ | ॥धु०॥ |
| ० नो प स | ख्या०००० | घन नी०ळा० | रे०००००० | |
| मारे ग ग रे | रेग पम ग रे | रेग पम ग रे | सा ऽ सा ऽ | |
| श्वा० मळ | प्रे०००० | मळ नं०००० | दकु मा०००० | |
| ग ऽ ग ग | ऽ म ग रे | गम पम ग रे | सा ऽ ऽ सा | |
| ब्र० ह्य सा | ० नुळें० | हें०००० | सा० का०००० | |
| ऽ गपु ऽ पम | ग म रे ग | ऽ गम ऽ ग रे | सा ऽ ऽ मा | |
| ० जणूं० | स्व० र्गी० चें० | ० सु म० सु कु | मा०००० | |
| ऽ ग ग ग | म म म म | पध पध पम | गम ग रे सारे सा | } गोप सख्या घननीळा ॥ |
| ० मो ह वि | प रि म ल | हृदया००० | ०००००००० | |
| सा म ऽ रे | म ऽ म सा | सारे प म | प ऽ ऽ ऽ | |
| करी० दु | री००० | पा० प ह | री०००० | |
| ऽ मप धप | मग रेसा रे | ऽ सा सा सा | सासा धं धं | |
| ० निरसुनि | मा०बा०० | ० पा व न | करि ज ग | |
| मा ऽ सा ऽ | निसागरेऽऽ | | | |
| ता००० | का रे०००००० | ॥ गोप सख्या घननीळा ॥ | | |

घेइ रे सोनुल्या-घांस प्रीतिचा ।
 राहुं दे हांसरा—चन्द्र मुखाचा ।
 हा चिमणीचा—हा मोराचा ।
 हा बघ गोड किती अपुल्या 'कपिले'चा ।
 घांस हा प्रीतिचा—वदनिं जाउं दे ।
 पाहुं दे विश्वरूप-दिव्य त्यामधें ॥
 घांस हरी जाई—एक तुझ्या पोटीं ।
 लाभते शान्ति किती—सकल जगाला ! ॥

घेइ रे सोनुल्या० ताल—दादरा—मात्रा ६

| | | | |
|---------------|---------------|--------------------|------------------|
| X | X | X | X |
| सा ऽरे प ऽऽ | म ग रे सा ऽऽ | गुप मुग रे सा ऽसा | सा ऽऽऽऽऽ |
| वे० इ रे०० | सो० नुल्या०० | वां००० स प्री० ति | चा०००००० |
| सा ऽरे प ऽऽ | म ग रे सा ऽऽ | गुप मुग रे रे सा ऽ | साऽ ऽऽऽऽऽ ॥ध्रु० |
| रा० हुं दे०० | हां० स रा०० | चं००० द्र मु खा० | चा०००००० |
| साऽ रेसा रेसा | रे सा सा ऽऽऽ | गरे गरे ग सा | रेसाऽऽऽऽऽ |
| हा० चिमणी० | चा०००००० | हा० मो० रा० | चा०००००० |
| प म प ग म रे | ग सा रे सा ऽऽ | गरे गंरे गंरे | ग मा रेसाऽऽ |
| हा० ब घ गो० | ड कि ती००० | अपुल्या० क पि | ले० चा०००० ॥१॥ |

('घांस हा प्रीतिचा',—'घेइरे सोनुल्या, 'प्रमाणें)

('घांस हरी जाई'—'हा चिमणीचा 'प्रमाणें)

शिशुपण

शिशुपण बरवें हृदया वाटे
 सुमनचि सुमधुर सकल निराशा विलया नेतें ॥
 जगांत जयास तुला न कोटें ॥
 तुजसम श्रीहरि मित्र असावा ।
 गोड गोड वाजिव पावा ।
 ऐकुनि मानस हासतें—नाचतें ॥

शिशुपण० ताल—केरवा. मात्रा ४

| | | | |
|------------------|------------------|---------------|---------------|
| X | ० | X | ० |
| ग रे ग म | ग रे सा नीं | सा सा रे ऽ | धं ऽ पं ऽ |
| शि शु प ण | ब र वें ० | हृ द या ० | वा ० टे ० |
| धं नीं सा रे | धं नीं सा सा | सा नीं सा रे | ग ऽ रे ग प म |
| सु म न चि | सु म धु र | स क ल नि | रा ० शा ० ० ० |
| ग रे ग रे | सा ऽ सा ऽ | सा प ऽ प | रे म ऽ म |
| विल या ० | ने ० तें ० | ज गां ० त | ज या ० स |
| ग ग ऽ ग | सा ऽ सा ऽ | | |
| तु ला ० न | को ० ठें ० ॥ १ ॥ | | |
| रे रे प प | मू ऽ रे रे | ऽ प प प | ग म् ध प |
| तु ज स म | श्री ० ह रि | ० मि त्र अ | सा ० वा ० |
| मू ऽ ऽ रे | मू ऽ ऽ रे | प ऽ प प | ग म् ध प |
| गो ० ० ड | गो ० ० ड | वा ० जि व | पा ० ० वा |
| ध ऽ प म् | ग म् प म् ग रे | रे रे रे रे ग | रे ऽ ऽ ऽ |
| ऐ ० कु नि | मा ० ० ० न स | हा ० ० ० ० स | तें ० ० ० |
| ग म् ग म् ग म् ध | प ऽ ऽ ऽ | | |
| ना ० ० ० ० च | तें ० ० ० ॥ २ ॥ | | |

समतेची देवता !

गुणशीला तूं अतुला जननी तूं जगताची ।
तूंच प्राण, तूं जीवन, खाण तूंच सौख्याची ।
भक्ति घडे स्मरतां तुज शतकोटी देवांची ॥
सानथोर, नृपपामर; पांखर तव सकळांवर ।
अर्पिंशि पय अमृतमय तूं देवी समतेची ! ॥

गुणशीला० ताळ—दादरा, मात्रा ६

× × × ×
गरे गरे सा ऽ गरे गरे सा ऽ सारे सा ऽ सा ऽ सासा सारेगरे सा ऽ ॥ध्रु॥
गुणशी०ला० तूं० जनु०का० न न नी० तूं० जग ता००० ची०
प ऽ ध्रुप ग ऽ ग प ऽ मुध्रुपमु ग ग प ऽ प ग ऽ ग रे ऽ प ऽ प ऽ
तूं०च०प्रा०ण तूं०जी०००वन खा०णतूं०च सौ०ख्या०ची०
ऽ पमु प ग ऽ गप मुगरे ऽसासा सा सा गरे सा ऽ सा ऽ सारे गरे सा ऽ ॥१॥
०भक्ति घ डे० स्म०र०तां०तुज शतको०टी० दे०वां०००ची०

(पुढील अंतरा, 'तूंच प्राण' प्रमाणें.)

किस्नाची माया !

उमगायाची न्हाई कुना—
 किस्नाची माया लई न्यारी ।
 या देवाची माया लई न्यारी ॥
 दावी बहुरूप्यापरी—सोंग ढोंग परोपरी
 हरि हा ठकडा भारी ! ॥
 यमुनेच्या डोहीं, गोपाळाच्या ढाई,
 दिसे ठायीं ठायीं,
 आभाळाला अन्त न्हाई,
 तशी यार्ची रूप पाहीं ! ॥

उमगायाची० ताल—केरवा

| | | | |
|---------------|------------------|---------------|---------------|
| X | • | X | • |
| गग ग ग ग | ग ग ग ग | ग रेग मग रे | सा सा सा रे |
| उम गा या ची | न्हा ई कु ना | किस्ना ०००ची | मा या क ई |
| नीं ऽ ऽ ऽ | सा ऽ सा रे | ग रेग मग रे | सा सा सा रे |
| न्वा ० ० ० | री ० या ० | देवा ००० ची | मा या क ई |
| नीं ऽ ऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | ॥ध्रु०॥ | |
| न्वा ० ० ० | री ० ० ० | | |
| X | • | X | • |
| नीं सा नीं सा | नीं सा नीं सा | सां सां सा सा | नीं सा नीं सा |
| दा वी ब हु | रू प्या प री | सों ग ढों ग | प रो प री |
| सा प म प | ग म ग रे | रेग रेग पम | ग ऽ ऽ ऽ |
| ह रि हा ० | ठ क डा ० | भा ००० ०० | री ० ० ० ॥१॥ |
| धं नीं सा रे | नीं ० सा ऽ | ग म प ध | म ऽ ऽ प ऽ |
| य मु नेव्वा | ढो ० हीं ० | गो पा ळा च्या | ढा ० ई ० |
| ध नीं सां | नीं ऽ सां ऽ | प सां नीं सां | प ध म प |
| दि से ठायीं | ठा ० यीं ० | आ भा ळा ळा | अं त न्हा ई |
| ग म ग रे | सा सा सा सा | | |
| त शी या ची | रू पं पा हीं ॥२॥ | | |

ढवळी-पवळी

रत्नावानी गाई छान । सोभती या माज्या ॥

उडती, बागडती-हुंगति, हम्बरती ।

ही-ढवळी ही पवळी । गोजिरवानी-

करिति आम्हांवरती, लई निर्मळ पिती ! ॥

रत्नावानी० ताल—केरवा.

| | | | |
|-------------------|------------------|-----------------|---------------|
| X | • | X | • |
| साग मप | ध नी सां ऽ | सां ऽनी धनी धप | पध धम मप मध |
| रत्नावानी | गा ई छा न | सो० भ ती ० ० ० | या० ०० मा० ०० |
| प ऽ पध पध | मप मध प ऽ | नीधनीध पम गम | प ऽ ऽ ऽ |
| ज्या०या००० | मा०००इया० | उ ड ती ० बा० गड | ती ० ० ० |
| पध पम मग गम | रे ऽ ऽ ऽ | | |
| हुं० गति हुं० ब र | ती ० ० ० ॥ध्रु०॥ | | |
| प धः रै सां ऽ | प धरै सां ऽ | ऽ पध पध पम | प ऽ प ऽ |
| ही ढ व ळी ० | ही प व ळी ० | ० गो० जि० र० | वा० नी ० |
| नीध नीध पमगम | प ऽ ऽ ऽ | पध धप मग गम | रे ऽ ऽ ऽ |
| करितिआम्हां०वर | ती ० ० ० | लईनिर्मळ पि० | तीं ० ० ० ॥१॥ |

भाग्यवती 'कपिला'

भाग्यवती ही 'कपिला' धेनु सजविते ! ।

हास्यमुखी, अति मोहक, नटलेली नार शोभते !

रेखियला मंगलमय तिलक कपालीं ।

पदिं घुंगुर खुळ खुळ खुळ-नाद काढिते ॥

पुष्पांच्या घवघवल्या सुन्दर माळा ।

सोन्याची शिंगावर-कान्ति विलसते ॥

भाग्यवती कपिला० ताल—दादरा मात्रा ६

×

प नी प नी म प
भा० ग्य व ती

×

पनी सांनी पम प ऽ
ही० ०० कपिला०

मप नीप मरे मारे
ध० ०० नुसजवि

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ते ०००००

म रे म रे सा ऽ
हा० स्य सु खी०

नी प नी म प प
अ ति मो० ह क

सां रे सां रे सांनी प ऽ
न ऽ ट ले ०००ली०

मप नीप पम रे सा रे
ना० ०० र० शो० भ

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥ ध्रु० ॥
ते ०००००

प नी प नी मप
रे० खियला०

सां ऽ सां सां सां सां
मं० ग ल म य

सां सां सां सां सां रे
तिल क क पा०

नी सां ऽ नी प ऽ ऽ
लीं ००००००

सां रे सां रे नी सां
प दिं घुं० गु र

प नी प म प प
खुळ खुळ खुळ

मप नीप पम रे सा रे प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ना००० द का० ढि ते००००० ॥ १ ॥

('पुष्पांच्या' हा अंतरा, 'रेखियला' प्रमाणें.)

तुझाच छकुला

तुझाच छकुला-तुझाच गे-मम माडली!!
 गोकुळि राखी गोधना, नन्दबाळ मी काम्हा ॥
 यमुनातीरीं चारित घेणू ।
 धरितो हांसत अधरीं वेणू ।
 झन् झन् झनन नन, वाजे खनन नन ।
 भुळति सकल व्रजबाला ! ॥

तुझाच छकुला० ताल—केरवा

| | | | |
|---------------------------|--------------------------|---------------------------|------------------------|
| X | • | X | • |
| ग रेग मग रे तुझा०००च | सा नीं सा ऽ ळ कु ला ० | ग रेग मग रे तुझा०००च | सा ऽ सा सा गे ० म म |
| सा ऽ ऽ रे मा ० ० उ | सा ऽ ऽ ऽ ळी ० ० ० | ॥ध्रु०॥ | |
| सा ऽ प प गो ० कु किं | प ऽ प ऽ रा ० खी ० | ऽ प ऽ ध ० गो०ध | प ऽ ऽ ऽ ना ० ० ० |
| प ध प म बं ० द् बा | ऽ म म ऽ ० लमी० | ग मग रे ऽ का ००न्हा० | ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० ० ० ॥१॥ |
| प प ध ऽ ब मु ना० | प ऽ ध ऽ ती ० रीं० | प ऽ ध म चा० रि त | प ऽ प ऽ धे ० ० नू |
| प प धनी धनी ध रि तो००० | प ऽ ध ध हां० स त | प प ध म अ ध रीं० | प ऽ प ऽ वे ० णू० |
| ध ध ऽ प झन् झन् झ | म म म म न न न न | मप मप ऽ म वा० ० ० ० जे | ग ग ग ग ख न न न |
| प ध प म भुळ तिस | म म म म क ल व्र ज | ग ऽ रे ऽ बा ० ला ० | ० ० ० ० ० ० ० ० ॥२॥ |

हर्षगीत

सर्वस्य—

हांसत नाचत जाऊं
जाऊं चला गोकुळाला ! ॥

कृष्ण—

घांचत यमुना तीराला
घेऊनी गोधनाला ॥

पंचा—

हर्षभरें—घुमविन मी—मृदुमुरली— !

लई येढ केलं,
लई येढं केलं, बासरीनं, पित्तिमीला ॥

राधा—

घालुनि जयमाला—मिरवुया नन्दलाला
गाउनी गान, विसरुनी भान
मिरवुया नन्दलाला ! ॥

| | | हांचत नाचत जाऊं० | ताल—केरवा |
|------------|-------------|------------------|----------------|
| X | X | X | X |
| गुम प प म | रेगु म मग | रे ऽ ग् ऽ | ऽ ऽ सा नीं |
| हां०० स त | बा००चत | जा०ऊं० | ०० जा ऊं |
| सा प ऽ धू | पम गुम | प ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| च का० गो | ० कु ला ० | का००० | ०००० |
| प धू सा नी | धूप मग् | रे ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ ऽ |
| हां० व त | ब मु ना ० | ती०रा० | का००० |
| सा नी सा प | ऽ धू प म | गुम प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| वे० ऊ नी | ० गो० ध | ना० ला० | ०००० ॥ ध्रु. ॥ |
| प धू नी ध | नी ऽ नी ध ध | प धू सा नी | सा ऽ ऽ ऽ |
| ह० र्ष भ | रे०००० | घुम वि न | मी००० |
| प धू सा नी | सा ऽ ऽ ऽ | प धू ऽ प | ऽ म गु ऽ |
| मृदु मुर | की००० | ल ई० ये | ० ढं के० |
| गुम प ऽ म | ऽ गु गु ऽ | गुम ऽ ऽ ग | ऽ रे सा नीं |
| ऊं००० बा | ० स री ० | नं००० पि | ० ति मी ० |
| सा ऽ ऽ ऽ | ॥ १ ॥ | | |
| का००० | | | |

| | | | | |
|-------------|----------------|--------------|----------------|-----|
| X | X | X | X | |
| नी सा ग म | धु नी सा नी | सा S S S | S नी नी | |
| घा ० लु नि | ज य मा ० | ला ० ० ० | ० ० मि र | |
| सा ग S रे | S सा नी S | सा रे ग S S | S S नी S | |
| बु या ० नं | ० द ला ० | ला ० ० ० ० | ० ० गा ० | |
| सा ग S ग रे | सा नी नी रे सा | म ग S ग रे | सा नी नी नी नी | |
| उ नी ० गा ० | ० ० न वि स | रु नी ० भा ० | ० ० न मि र | |
| सा ग S रे | S सा नी S | सा रे ग S S | S S S S | |
| बु या ० नं | ० द ला ० | ला ० ० ० ० | ० ० ० ० | ॥२॥ |

माझा मुलगा

‘श्याम’चें गाणें

श्यामः— होइल गम्मत—देशिल जम्मत
मला आणुनी ॥

हातावरचें घड्याळ सुन्दर
करितें टिकटिक पळतें भरभर !

दिवाकरः— टाकायाला लगेच फोडुनी ?

श्यामः— अंह !—बांधिन हळूच जपुनी ॥
मोटरगाडी सुरेख रंगित
पों पों करुनी हाकिन ऐटित

दिवाकरः— बाबा, तूं, मी येऊं फिरुनी !

श्यामः— आई, तूं, मी येऊं फिरुनी !
बोलति रागें उगीच तुजशीं
म्हणुनि गडी फू करिन तयांशीं ! ॥

होइल गम्मत • ताल—केरवा

| | | | |
|--------------|----------------|-------------|------------|
| X | • | X | • |
| नीं रे ग ध | प म् ग रे | नीं रे ग ध | प म् ग रे |
| हो • इ ल | ग • म्म त | दे • शि ल | ज • म्म त |
| ग रेग मग सा | ऽ नीं सा ऽ | धं सा धं सा | रे ग सा ऽ |
| मला • • • धा | • णु नी ॥ध्रु॥ | हा • ता • | व र चें • |
| रे ग ऽ रे | ग म् ध प | म् ध नी रें | नी ध नी ध |
| घ ड्या • ल | सु • न्द र | क रि तें • | टि क टि क |
| ग रे ग रे | ग रे सा सा | सा ऽ सा ऽ | ध नी प ऽ |
| प ल तें • | भ र भ र | टा • का • | या • ला • |
| ध नी ऽ ध | नी रें सा सा | नीं रे ग ध | प म् ग रे |
| ल गे • च | फो • डु नी | भं • हं • | बां • धि न |

ग ग ऽ रे
 ह ळ ० च
 ध नी ऽ ध
 सु रे ० ख
 नी ध नी ध
 हा ० कि न
 ग रे गे रे
 ये ० ऊं ०

सा नीं सा ऽ
 ज पु नी ०
 नी रे सां सां
 रं ० गि त
 प म् प प
 ऐ ० टि त
 ग रे सा ऽ
 फि रु नी ०

नी रे नी रे
 मो ० ट र
 ध सा ध सां
 पों ० पों ०
 मु ध नी रे
 बा ० बा ०
 मु ध नी रे
 आ ० ई ०

नीं ध प ऽ
 गा डी ० ०
 रे ग सां ऽ
 क रु नी ०
 नी ध प म्
 तूं ० मी ०
 नी ध प म्
 तूं ० मी ०

X
 ग र ग रे
 ये ० ऊं ०
 ग म् ऽ रे
 उ मी ० च
 ग रे ग रे
 क रि न त

०
 ग रे सा ऽ
 फि रु नी ०
 ग म् प ऽ
 तु ज शीं ०
 गं रे सा ऽ
 यां ० शीं ०

X
 नीं रे ग रे
 बो ० ल ति
 मु ध नी रे
 म्ह णु नि ग

०
 ग ऽ ग ऽ
 रा ० गें ०
 नी ध प म्
 डी ० फू ०

॥ १ ॥

भृङ्ग आणि फुलराणी

मज फिरफिरुनी छळिसि कां ?
गुणगुणुनी कानी-कां-
वदे फुलराणी ॥

हीं गूढ गीतें — गासी कशाला ?
तूं भृंग काळा — मी गौर बाला !
मी रूपखाणी — पुष्पराणी—
वनीं रानीं नसे कोणी—
पाही माझ्यावाणी ! ॥

मज फिरफिरुनी० ताळ—केरवा.

| | | | |
|-------------------|--------------|-----------------|----------------|
| × | ० | × | ० |
| ऽ ऽ ग् म | प नी सां रें | सां नी सां ऽ | ऽ प ध् म |
| ० ० म ज | फि र फि रु | नी ० ० ० | ० छ ङि षी |
| प ऽ ऽ ऽ | नी ध नी सां | सां प ऽ ऽ | प मु प ध् |
| का ० ० ० | गु ण गु णु | नी ० ० ० | का ० ० ० |
| ध् म ऽ ऽ | ग् रे ऽ ग् | रे ग् म ग् | रे ग् सा ऽ |
| नी ० ० ० | कां ० ० व | दे ० फु ल | रा ० णी ० |
| ऽ ऽ म ऽ | ऽ प नी नी | सां रें ऽ ऽ | सां रें ग् ऽ |
| ० ० हीं ० | ० गू ० ढ | गी ० ० ० | तें ० ० ० |
| ऽ ऽ गुरें सां रें | ऽ नी ऽ नी | पनी सां रें ऽ ऽ | नी सो ऽ ऽ |
| ० ० गा ० ० ० | ० सी ० क | शा ० ० ० ० ० | ळा ० ० ० |
| प ऽ म ऽ | ऽ प नी नी | सां रें ऽ ऽ | सां रें ग् ऽ ऽ |
| ० ० तूं ० | ० भृं ० ग | का ० ० ० | ळा ० ० ० |
| ऽ ऽ गुरें सां रें | ऽ नी ऽ नी | पनी सां रें ऽ ऽ | नीं सां ऽ ऽ |
| ० ० मी ० ० ० | ० गौ ० र | बा ० ० ० ० ० | ळा ० ० ० |

| | | | |
|-------------------------|------------------------|---------------------------|-------------------------|
| ऽ ऽ रे ऽ ० ० मी ० | ऽ रे ग् म ० रू ० प | म सा सा ऽ खा ० णी ० | ऽ सा ऽ रे ० पु ० ष्य |
| रे नी नी ऽ रा ० णी ० | ऽ नी नी सा ० व नी ० | सा प प ऽ रा ० नी ० | ऽ ध् प ध् ० न से ० |
| प म ऽ म को ० ० णी | ग् ऽ ग् ऽ पा ० ही ० | रे ग् म ग् मा ० झ्या ० | रे ग् सा ऽ वा ० णी ० |

तेज भरे गगनांत !

उसळत—तेज भरे गगनांत ॥
 उजळे मन्दिर शिखर विराजे—
 सोनेरी किरणांत ॥
 गाभाऱ्यांतिल मूर्ति चिमुकली
 न्हाली नव तेजांत ॥
 प्रांगणांतले तरु मोहरले
 पसरे गन्ध दिशांत ॥
 उत्साहाचे भरले वारे
 पवनाच्या हृदयांत ॥
 ओढ लागली त्या तेजाची
 मम जीवा विरहार्त ॥
 हृदय परी कां अजुनी माझें
 फिरतें अन्धारांत ? ॥
 उजळिल अन्तर कधीं 'निरन्तर'
 घेउनि निजरूपांत ? ॥

तेज भरे गगनांत० केरवा ताल—मात्रा; ४

| ० | × | ० | × |
|--------------------|-------------|--------------|--------------|
| धंसा सारे रेग सारे | ऽ प म म | ग सा रे ग | रे सा ऽ सा |
| उ० स० ल० त० | ० ते ज भ | रे ० ग ग | नां ० ० त |
| धंसा सारे रेग सारे | ऽ मम म ऽ | मग रेग रे सा | ऽ सारे प प |
| उ० स० ल० त० | ० उ ज ले | मं० ०० दि र | ० शिखर वि |
| प ऽ धम प | ऽ ध ध ऽ | पध नीध प म | ग रे ऽ रे |
| रा ० जे० ० | ० सो ने ० | री० ०० कि र | णां ० ० त |
| | म ऽ म ऽ | मग रेग रे सा | धं सा सा रेग |
| | गा ० भा ० | ऱ्यां ० ति ल | मू ० ति चि |
| मग रे सा ऽ | धं सा सा ऽ | रे सा रेग मग | रे सा ऽ सा |
| मु० क ली ० | न्हा ० ली ० | न व ते० ०० | जां ० ० त |

(पुढील अंतरे 'उजळे मंदिर' प्रमाणें)

तुझी मोहिनी !

जीवा तुझ्या मोहिनीनें भारिलें
 उफालूनि येती भाव चिन्हीं दाटले ॥
 गूज मन्मनींचें केलें खुलें तुझ्यापाशीं
 तुझ्या अन्तरींचें गूढ चित्ता नाकळे ॥
 करी पुरी भाशा पदरीं ठाक वा निराशा
 फिरायचीं मार्गें ही न आतां पाडलें ॥
 बरीं शिरीं अनुरागें वा दुरी फेक रागें
 सुको मुको प्राणा, पुष्प पायीं वाहिलें ॥
 लपण्डाब हा जीवाला गमे तापदायी
 कधीं न्हावयाचे हे उमाले मोकळे ? ॥

जीवा तुझ्या ताल—केरवा. मात्रा ४

| | | | |
|--------------|------------------|-----------|---------------|
| | X | o | X |
| सा नीं धं पं | o S धं सा | S ग S ग | ग S सा |
| जी o बा o | o o तु झा | o मो o हि | नी o नें o |
| S ग S ध | प S S S | S S S S | ग ग S ग |
| o भा o रि | लें o o o | o o o o | उ फा o कू |
| S ग ग S | ग रे S रे | S रे ग प | पुध नीध नीध o |
| o नि ये o | ती o o भा | o व चि o | तीं o o o o o |
| S ग S सा | सारे गुरे सारे ग | ॥ धृ o ॥ | |
| o दा o ट | ले o o o o o | | |

| | | | |
|------------|-------------|---------------|----------------|
| | X | o | X |
| | म S म म | S म म S | म S रे S |
| | गू o ज म | o न्म नीं o | चें o के o |
| म S S S | प ध S प | म S ग सा | सारे गप मग रेग |
| ले o o o | खु लें o तु | झ्या o पा o | शीं o o o o o |
| S S S S | ग ग S ग | S ग ग S | गरे S S सा |
| o o o o | तु झा o धं | o त रीं o | चें o o गू |
| S नीं धं S | पं S S धं | सा रे सारे गम | पम गरे ग S |
| S ह चि o | सा o o ना | o क के o o | o o o o o |

(पुढील अंतरे वरील प्रमाणेंच)

पाहूं रे किति वाट !

पाहूं रे किति वाट ? । जिवलगा ॥
 छिण्डते, धुण्डीते — होई न भेटी
 प्रीतीचे निधान — येई न हार्ती
 झाली बाला श्रान्त — जिवलगा ॥

वन सळसळते — मन तळमळते
 प्राणसख्या ! तव — चाहूल येते—
 भेसूर घन तिमिरांत — जिवलगा ॥

सागर खवळे — उसळती लाटा
 झुंजत तयांशीं — हांसशी नाथा !
 काहूर मम हृदयांत — जिवलगा ॥
 होईल केव्हां — मीलन अन्ती ?
 अवचित जुळतिल — प्रीति-ज्योती
 विश्वाच्या प्रलयांत — जिवलगा ॥

पाहीन तोंवरी वाट — जिवलगा ॥

पाहूं रे किति वाट० ताल—दादरा—मात्रा ६

| | | | |
|------------|-----------|-----------|----------------|
| x | ० | x | ० |
| रे ग् ऽ | रे ऽ रेग | धंसा सा ऽ | धंसा रेगु सारे |
| पा हूं ० | रे ० किति | वा ० ० ट | जिवलगा ० ० |
| रेगु प ऽ | ग ऽ रेग | ग सा ऽ | सा ऽ ऽ |
| पा ० हूं | रे ० किति | वा ० ० | ट ० ० |
| रे ग् रे | ग् रे सा | रे ग् रे | रेगु प ऽ |
| हि ङ ते | धुं डी ते | होई न | भे० टी० |
| ग प ग | ग् रे सा | रे ग् रे | सारेगु रे ऽ |
| प्री ती चे | नि धान | ये ई न | हा ० ० तीं० |

| | | | |
|--------------------|-------------------------|--------------------------|-----------------------------|
| ग ग ऽ झा ली ० | गरे सा ऽ बा० ला० | धंसा सा ऽ श्रा० न्त ० | धंसा रेगु सारे जिवलगा ०० |
| पंपं धं पं वनसळ | पंध्रु पं ऽ सळ तें ० | पंध्रु सासा मन त ळ | रेगु प ऽ मळ तें ० |
| ग प ग प्रा ण स | गू रे सा ख्यात व | रे गू रे चा हू ळ | सारेगू रे ऽ ये ०० तें ० |
| ग ग ग भे सू र | रेग रेसा घनतिमि | धं सा सा रां ० त | धंसा रेगु सारे जिवलगा ०० |

(पुढचे अंतरे 'वनसळसळतें', प्रमाणें)

| | | | |
|---------------|----------------|-------------|----------------|
| | नी रे साँ ऽ | नी प ध म | पुध ऽ ऽ ऽ |
| | च ल रे ० | सुं ० ज मु | का ० ० ० |
| ऽ ऽ प ध | म ऽ ग रे | ग सा रे ग | प ऽ ऽ ऽ |
| ० ० ब ध | मं ० ग क | दि न आ ० | का ० ० ० ॥४०॥ |
| | सा ऽ ग म | ध ऽ ऽ ऽ | प ग म ध |
| | बा ० लु नि | बा ० ० ० | लं ० गो ० |
| प ऽ ऽ ऽ | सा ऽ ग म | ध ऽ ऽ ऽ | प ग म ध |
| टी ० ० ० | दं ० ड उ | भा ० ० ० | वे ० हा ० |
| प ऽ ऽ ऽ | ग म ध प | ध ऽ ऽ ऽ | म ऽ म म |
| ती ० ० ० | म ग म्ह ण | रे ० ० ० | ॐ ० भ व |
| म ऽ ध म | प ग म रे | ग सा रे ग | प ऽ ऽ ऽ |
| ती ० च ल | च ल रे ० | सुं ० ज मु | का ० ० ० ॥ १ ॥ |
| | ऽ गं गं रे | साँ नी ध प | ग प ग प |
| | ० द भाँ ० | नेँ ० त व | मां ० डी ० |
| ध नी प ध | ऽ गुं गं गं रे | साँ नी ध प | ग प ग प |
| चि र तिल | ० वे ० ट कु | की ० म ग | ति न्यां ० त |
| ० | X | ० | X |
| ध नी प ध | प ध साँ ध | साँ रे गं ऽ | साँ गं रे साँ |
| भ र तिल | भां ० त ड | डवा ० ती ० | डु षु डु णु |
| नी साँ नी ध प | नी रे साँ साँ | नी साँ नी ध | ध नी ध प |
| मा ० ० रि ल | ध र भ र | भ र भ र | ग र ग र |
| म गं सा रे | ग ऽ ऽ रे | गुप ऽ ऽ ऽ | ग ऽ ऽ रे |
| फि र तिल | आ ० ० ० | ला ० ० ० ० | आ ० ० ० |
| गु प ऽ प ध | म ऽ ग रे | ग सा रे ग | प ऽ ऽ ऽ |
| ला ० ० ब ध | मं ० ग क | दि न आ ० | ला ० ० ० ॥२॥ |

(तिखरा व चौथा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें)

आम्ही दैवाचे !

आम्ही दैवाचे दैवाचे शेतकरी रे ।
करूं काम, स्मरूं नाम, मुखीं राम हरी रे ॥

प्रानावानी पितिं रानीं !
जुपुनिया बैल गुनी !
कष्ट क्येल नांगरुनी !
घेवाची स्वारी आली मिर्गावरी रे ! ॥

धान्याची पेर झाली !
लक्ष्मिनं किर्पा केली !
मोत्याची रास दिली !
शिवारी पीक डोले राजापरी रे ! ॥

नाचत्याती पोरं थोरं !
बागडती गुरंदोरं !
चला जाऊं सम्याम्होरं !
बिगी बिगी बिगी गाडी हाकूं खळयावरी रे ! ॥

आम्ही दैवाचे० ताल—दादरा

| | | |
|----------|-------------------|-----------------------|
| X | ० | X |
| मा सा ऽ | रे ग ग ऽ सा ऽ | ग ऽ ग मग सा ऽ |
| आ म्ही ० | दै ० वा ० चे ० | दै ० वा ० ० चे ० |
| | प ऽ प प प ध | म ऽ ऽ ग ग रे |
| | झे ० त क री ० | रे ० ० क रुं ० |
| | ग ऽ ग रे रे सा | रे ऽ रे रे रे सा |
| | का ० म् स्म रुं ० | ना ० म् मु खीं ० |
| | रे ऽ सा रे ग ऽ | सा ऽ ऽ सा सा ऽ |
| | रा ० म ह री ० | रे ० ० आ म्ही ० ॥धृ०॥ |
| | धं सा धं सा सा ऽ | रे रे ऽ मग् रे ऽ |
| | प्रा ना ० वा नी ० | पि तीं ० रा ० नी ० |

| | |
|------------------|------------------|
| ग ग ऽ ग ग ऽ | प गमग ऽ रे सा ऽ |
| जु पु ० नि या ० | बै ल००० गु नी ० |
| ग ग ऽ ग ग ऽ | पध पग मग रेसा ऽ |
| क ष्ट ० क्ये ल ० | नां००ग०० रुनी ० |
| प ऽ प ऽ प ऽ | प प ऽ प प ऽ |
| द्ये ० वा ० ची ० | स्वा री ० आ ली ० |
| पधधनी ध प म ऽ | ग रे ऽ सा सा ऽ |
| मिर गा०० व री ० | रे ०० आ म्ही ० |

॥ १ ॥

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| X | X | X |
| ग प ग प प ऽ | ध ध ऽ नी प ऽ | सा सा ऽ सा सा ऽ |
| धा ० न्या ० ची ० | पे र ० झा ली ० | ळ क्षु ० मि नं ० |
| नी प ध नी प ऽ | सा रे सा रे सा ऽ | नी ऽ ध नी प ऽ |
| कि र्पा ० के ली ० | मो ० त्या ० ची ० | रा ० स दि ली ० |
| प ऽ प ऽ प ऽ | प ऽ प प प ऽ | पधधनी ध प म ऽ |
| शि ० वा ० रीं ० | पी ० क ढो ले ० | रा० जा०० प री ० |
| ग रे ऽ सा सा ऽ | | |
| रे ०० आ म्ही ० | ॥ २ ॥ | |

| | | |
|-------------------|-------------------|--------------------|
| ग प ग प प ऽ | ध ध ऽ नी प ऽ | ग प ग प प ऽ |
| ना ० च त्या ती ० | पो रं ० थो रं ० | बा ० ग ढ ती ० |
| ध ध ऽ नी प ऽ | सा सा ऽ सा सा ऽ | नी प ध नी प ऽ |
| गु रं ० ढो रं ० | च ला ० जा ऊं ० | स म्घा ० म्हो रं ० |
| ग प प प प प | पधधनी ध प म ऽ | ग ग ऽ रे सा ग |
| बि गी बि गी बि गी | गा० ढी०० हा कूं ० | ख ल्या ० व री ० |
| ग ऽ ऽ सा सा ऽ | | |
| रे ०० आ म्ही ० | ॥ ३ ॥ | |

प्रार्थना

ज्ञानेश्वर—चरण-शरण देवा !
अर्जुन जणुं शोकाकुल !
भक्तहृदय मोहविकल !
त्वरित सुपथ दावा ! धांवा !

‘चरण शरण’० ताल—दादरा

| | |
|-------------------|-------------------------------|
| × | × |
| र ग् रे सा नीं सा | रेग् प म ग ग् रे |
| च र ण श र ण | दे०० वा००० ॥४०॥ |
| ऽ ध ध ध नी ध | ग म प म ग् रे |
| अ र्जु न ज णुं | शो० का० कु ल |
| ऽ ग् रे सा नीं सा | रेग् प म ग ग् रे |
| भ क्त हृ द य | मो०० ह वि क ल |
| ध ध ध ध ध धप | सान्नी सान्नी सान्नी पध नीध प |
| त्वरित सु प थ | दा००००० वा०००० |
| पध नीध म मप ऽ ऽ | |
| धां०००० वा००० | ॥ १ ॥ |

आनन्द आनन्द

आनन्द आनन्द अवघा आनन्द आगळा !
 गोविन्द गोविन्द अवघा मुकुन्द सांवळा !
 बहुता दिसांचे तप ये फळाला !
 धांवुनी भक्तासाठी घननीळ वोळला !
 कृष्णघन वोळला !
 बाहेरीं भीतरीं अवघा आनन्द-सोहळा !

‘आनंद आनंद०’ ताल—केरवा

| | | | |
|-------------|---------------|--------------|--------------------|
| X | ० | X | ० |
| रे ग् रे सा | ऽ सा सा ऽ | सा नीं सा रे | साग रेसा नीं धं पं |
| आ मं द ० | ० आ नं ० | द ० अ व | बा० ०० ०० ० |
| धं सा ऽ सा | ऽ ऽ सारे मप | म ऽ ग् ऽ | गुरे रे ऽ ऽ |
| आ मं ० द | ० ० आ० ० | ० ० ग ० | ळा० ० ० ० |
| ग ग ऽ ग | ऽ ग म ऽ | प ऽ म प | मप गम रेग |
| गो वि ० द | ० गो वि ० | द ० अ व | बा० ०० ०० ० |
| रे ग् रे सा | ऽ सा रेसा नीं | रे ऽ रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| मु कुं ० द | ० सां व ० | ० ० ला ० | ० ० ० ० |
| ग ग ऽ ग | ऽ ग रेग मप | ऽ ऽ ग रे | ऽ ऽ ग ग |
| ब हु ० ता | ० दि सां ००० | ० ० चं ० | ० ० त प |
| ऽ सा ऽ सा | सारे ग ऽ रे | ग प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० ये ० फ | ळा० ०० ० ० | ला ० ० ० | ० ० ० ० |
| म ऽ म म | ऽ म पम गुरे | ग ऽ म ऽ | प ऽ ऽ ऽ |
| धां ० बु नी | ० भक्ता ००० | ० ० सा ० | ठीं ० ० ० |
| गप गप धप म | ग रे गुरे सा | रेग रे ग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| घ० न ०० नी | ० ल वो ० ० | ०० ल ला ० | ० ० ० ० |
| ग ग ऽ ग | ऽ ग म ऽ | प धप म ग | म ऽ ऽ ऽ |
| बा हे ० री | ० भी त ० | रीं ०० अ व | घा ० ० ० |
| रे ग् ऽ सा | ऽ सा रेसा नीं | रे ऽ रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| आ नं ० द | ० सो ह ० ० | ० ० ला ० | ० ० ० ० |

॥४०॥

॥१॥

हांसत वसंत ये वनीं

हांसत वसन्त ये वनीं —अलबेळा
प्रियकर पसन्त हा मनीं—धरणीला ॥

घनवन राई—बहरुनि येई
कोमळ मंजुळ—कोयल गाई !

अम्बा पाही फुलळा—चांफा झाला पिचळा
जाई जुई अमेलीला—भर आला शेवन्तीला
घमघमला ! — हांसत वसन्त ये वनीं — ॥ १ ॥

सतेज टवटवली
कळी जशी कवळी !

नभांत लुकलुकली
चंद्रकोर इचली !

आळा शीतळ वारा—बरसत अमृतधारा
मृदुळ फुलांचा करी झुला—अलबेळा ॥ २ ॥

हांसत वसंत ताल—केरवा.

| | | | |
|-------------|-------------|-------------|----------------|
| X | | X | o |
| सारे ग ग ग | ग ऽ ग सा | साग रे ऽ सा | सानीं धनीं ऽ ऽ |
| हां०० स त व | ० सं त | बे००० व | नीं०००० |
| धं सा रे ग् | रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| अ ल बे ० | ळा००० | हां००० | ०००० |
| ग ग ग ग | प गं ऽ सा | साग रे ऽ सा | सानीं धनीं ऽ ऽ |
| प्रि य क र | प सं ० त | हा००० म | नीं०००० |
| धं सा रे ग् | रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ध र णी० | ळा००० | हां००० | ०००० ॥धृ०॥ |
| ग ग ग ग | ग म्ग रे सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| घ न व न | रा०० ई ० | ०००० | ०००० |
| ग ग ग ग | ग म्ग रे सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ब ह रु नि | बे०० ई ० | ०००० | ०००० |

| | | | |
|-------------|----------------|------------------|-------------|
| ऽ ग ग ग | ग मगु रे सा | ऽ ग ग ग | ग मगु रे सा |
| ० को म ल | मं० ० जु ल | ० को य ल | गा ० ० ई |
| सा रे प ऽ | सा रे प ऽ | नी सा नी सा | नी सा नी सा |
| कू ० हू ० | कू ० हू ० | कु हू कु हू | कु हू कु हू |
| ग ग ग ग | रे ग रे सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| आं बा पा ही | फु ल ला ० | हां ० ० ० | ० ० ० ० |
| ग ग ग ग | रे ग रे सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| चा फा झाला | पि व ला ० | हां ० ० ० | ० ० ० ० |
| ग ग ग ग | ग ग रे सा | ग ग ग ग | ग ग रे सा |
| जा ई जु ई | च मे ली ला | भ र आ ला | शे वं ती ला |
| धं सा रे गु | रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ध म ध म | ला ० ० ० | हां ० ० ० | ० ० ० ० |
| X | ० | X | ० |
| ध ध ऽ ध | ध प ग प | ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| स ते ० ज | ट व ट व | ली ० ० ० | ० ० ० ० |
| ध ध ऽ सा | ध प ग प | ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| क ली ० ज | शी ० क व | ली ० ० ० | ० ० ० ० |
| ध ध ऽ ध | ग प ध प | ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| न भां ० त | लु क ल क | ली ० ० ० | ० ० ० ० |
| ध ऽ ध ध | ऽ प ग प | ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| चं ० द्रको | ० र ह व | ली ० ० ० | ० ० ० ० |
| ग प प रे | रे ग ग सा | सारे ऽग रेग रेसा | सा ऽ ऽ ऽ |
| आ ० ला ० | शी ० त ल | वा ० ० ० ० ० ० | रा ० ० ० |
| ग प प रे | रे ग रे ग | सारे ऽग रेग रेसा | सा ऽ ऽ ऽ |
| ब र स त | अ ० मृत | धा ० ० ० ० ० ० | रा ० ० ० |
| ग ग ग ग | ग ऽ मगु रेसा | सा रे ऽ सा | नीं ऽ ऽ ऽ |
| मृ दु ल फु | लां ० चा ० ० ० | क रीं ० कु | ला ० ० ० |
| धं सा रे गु | रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| अ ल बे ० | ला ० ० ० | हां ० ० ० | ० ० ० ० |

॥१॥

॥२॥

‘ काका अब्बा ’

काका अब्बा, शूर शिपाई
चाले जंगी रोज लडाई !!
काका बसती डाव मांडुनी !
अब्बा येती हुक्का घेउनि !
काका म्हणती, ‘जिकिन डावा’!
अब्बा म्हणती-‘उडविन धुब्बा’ !
काका हत्ती मागें घेती !
अब्बा गर्जति—‘भागूबाई’ !
भागूबाई ! भागूबाई !
काका अब्बा शूर शिपाई ॥ १ ॥

काकाजींची शेण्डी डोले !
अब्बाजींची दाढी हाले !
हल्ल्यावरती होती हल्ले !
दिवस बुडाला तरिही चाले !
प्रीतीची ही लाड-लडाई !
काका अब्बा शूर शिपाई ॥ २ ॥

अन्न चुलीशी निवून जाई !
पेंगत आई-देत जांभई !
पोरें जमुनी करिती गिल्ला !
तरिही यांचा खेळ चालला !
तानभुकेची शुद्धच नाही !
काका अब्बा शूर शिपाई !! ॥ ३ ॥

काका अब्बा० ताल—केरवा.

| | | | |
|-------------|------------|--------------|-------------|
| X | ० | X | ० |
| सा ऽ सा ऽ | प ऽ प ऽ | प ऽ प प | प म प नी |
| का० का० | ब० ब्बा | शू० र शि | पा० ई० |
| ध नी ध नी | प ऽ ऽ ऽ | ध ऽ धनी ऽ | धप ध प ऽ |
| ० ० ० ० | ० ० ० ० | बा० ले० ० | जं० ० ० गी |
| ध सा नी ध प | ग म प ऽ | ॥धृ०॥ | |
| रो० जं० क | डा० ई० | | |
| प ऽ प ऽ | प प प म | गू ऽ गू गू | रे गू सा ऽ |
| का० का० | ब स ती ० | डा० व मां | ० डू नी ० |
| प ऽ प ऽ | प ऽ प म | गू ऽ गू ऽ | रे गू सा सा |
| ब० ब्बा० | बे० ती ० | हु० का० | बे० उ नि |
| प ऽ प ऽ | प ध प म | म ऽ म म | प ध नी ध |
| का० का० | म्ह ण ती ० | जि० कि न | डा० वा० |
| नी ध नी ध | नी ऽ ऽ ऽ | नी ऽ नी ध | ध प प म |
| ० ० ० ० | ० ० ० ० | ब० ब्बा० | म्ह ण ती ० |
| म म म म | म ऽ म ग | म ग म ग | म ऽ ऽ ऽ |
| उ ड वि न | धु० ब्बा० | ० ० ० ० | ० ० ० ० |
| म ऽ म ऽ | ध ऽ ध ऽ | धनी नी ध प म | प ध ध ऽ |
| का० का० | ह० ती० | मा० गे० ० ० | बे० ती० |
| ध ऽ ध ऽ | ध नी ध प | ग म प म | प ऽ प ऽ |
| ब० ब्बा० | ग र ज ति | भा० गू ० | बा० ई० ॥१॥ |
| प ऽ प सा | नी ध प ऽ | प ऽ प सा | नी ध प ऽ |
| का० का० | जी० ची० | बें० डी० | डो० ले० |
| प ऽ प सा | नी ध प ऽ | प ऽ प सा | नी ध प ऽ |
| ब० ब्बा० | जी० ची० | दा० डी० | हा० ले० |

| | | | |
|-----------------|----------------|-----------|-------------|
| ० | × | ० | × |
| साँ ऽ साँ रेसाँ | नी ध प ऽ | प ऽ प ध | साँ ऽ साँ ऽ |
| ह ० ल्या ०० | व र ती ० | हो ० ती ० | ह ० लें ० |
| ध साँ रे गं | रेसाँ रे साँ ऽ | नी ध प ध | साँ ऽ साँ ऽ |
| दि व स बु | डा ० ० ला | तरि ही ० | चा ० के ० |
| नी ऽ नी साँनी | ध ऽ नीध प | ग म ग म | प म प ऽ |
| प्री ० ती ०० | ची ० ०० ही | ला ० ड क | डा ० ई ० |

॥२॥

(तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणे)

जिवाचं मैतर तुम्हीं माझ्या !

जिवाचं मैतर तुम्हीं माझ्या !
चल चल, सरजा, चल राजा रे ॥

बाग-मळ्यांची दाटी रे
पिकतीं माणिक मोतीं रे
लवलव करिते हिरवळ रे
फुलली नाजूक मखमल रे ! ॥ १ ॥

दौलत ही न्यारी
फुलवित शेतकरी —
त्यास उणें सारें —
दुनियेचें वैभव रे ! ॥ २ ॥

मंगल घर अपुलें
गोकुळ गजबजलें !
प्रीत इथें झुळझुळते —
सुखममतेचें माहिर रे ॥ ३ ॥

जिवाचं मैतर तुम्हीं० ताल—केरवा.

| | | | |
|---------------|-----------|------------|---------------|
| X | ० | X | ० |
| सा रे सारे सा | नीं ऽ ऽ ऽ | ऽ सा रे रे | रे सा रेम पम |
| जि वा चं० ० | ० ० ० ० | ० मै त र | तु म्ही मा००० |
| रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | म म म रे | रे ग् ग् सा |
| झ्या० ० ० | ० ० ० ० | च ल च ल | स र जा ० |
| ऽ सारे रे नीं | सा ऽ सा ऽ | ॥ धृ० ॥ | |
| ० चल रा ० | जा ० रे ० | | |

| • | X | • | X |
|-------------|-------------|--------------|-------------|
| ऽ गुम म म | प धप म ग् | ऽ गुम प म | प ऽ ऽ ऽ |
| • बा० ग म | ल्यां०० ची० | • दा० टी० | रे००० |
| ग् म म प | प धप म ग् | ऽ गुम प म | प ऽ ऽ ऽ |
| पि क ती० | मा०० णि क | • मो० ती० | रे००० |
| रे म म रे | रे ग् ग् सा | ऽ सारे रे नी | सा ऽ सा रे |
| ल व ल व | क रि ते० | • हिर व ल | रे० हां० |
| रे म म रे | रे ग् ग् सा | सा रे रे नी | सा ऽ ऽ ऽ |
| फु ल ली० | ना० षु क | म ख म ल | रं००० ॥१॥ |
| ऽ गुम प प | प धप गुम ग् | प ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| • दौ० ल त | ही०० न्या०० | री००० | ०००० |
| ऽ गुम प ध | नी ध नी ध | नी प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| • फुल वि त | शे० त क | री००० | ०००० |
| ऽ गुम प म | प धप म ग | म ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| • त्या० स उ | णै०० सा | रें००० | ०००० |
| ग् म प म | प धपप ऽ मग् | ऽ गुम प म | प धपप ऽ मग् |
| हु नि थे० | खै०००००० | • वै० भ व | रे०००००० |
| म ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | म म म रे | ग् ग् ग् सा |
| हां००० | ०००० | च ल च ल | स र जा० |
| सा रे रे नी | सा ऽ सा ऽ | ॥२॥ | |
| च ल रा० | जा० रे० | | |
| ऽ गुम प ध | नी ध नी ध | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| • मं० ग ल | घ र अ पु | कें००० | ०००० |
| ऽ गुम प ध | नी ध नी ध | नी ऽ प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| • गो० कु ल | ग ज ब ज | कें००० | ०००० |

| | | | | | | | |
|--------------|-------------|---------------|------------|---------------|------------|---------------|------------|
| ० | | × | | ० | | × | |
| ग् म प म | प ऽ ऽ मग् | ग् म प म | प ऽ ऽ मग् | ग् म प म | प ऽ ऽ मग् | ग् म प म | प ऽ ऽ मग् |
| प्री ० त इ | थें ० ० ० ० | शु ल शु ल | ते ० ० ० ० | शु ल शु ल | ते ० ० ० ० | शु ल शु ल | ते ० ० ० ० |
| म ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | म म म रे | ग् ऽ ग् सा | म म म रे | ग् ऽ ग् सा | म म म रे | ग् ऽ ग् सा |
| हां ० ० ० | ० ० ० ० | सु ख म म | ते ० चें ० | सु ख म म | ते ० चें ० | सु ख म म | ते ० चें ० |
| रेऽरेऽ रे नी | सा ऽ ऽ ऽ | सा रे सारे सा | | सा रे सारे सा | | सा रे सारे सा | |
| मा० हि ० र | रे ० ० ० | जि वा चं ० | | जि वा चं ० | | जि वा चं ० | |

॥ ३ ॥

‘राधिका चतुर बोले’

राधिका चतुर बोले —

‘तुझी माझी प्रीत जुळे, कान्हा ॥

चल, प्रीतिपंख पसरूं

गगनीं स्वैर फिरूं -

गिरिशिखर सागरांना

लंघुनि मेघांना — ! ॥ १ ॥

नवलाख दिव्य रमणी

मंगलमय गाणीं

आळवितीं गगनीं —

— मधिं कान्त शान्त हंसरा—

— करिती फेर पुरा — ! ॥ २ ॥

ही तेजाची गंगा

चल, चल, श्रीरंगा -

घालु इथें पिंगा -

करूं प्रेम अमर अपुलें

तुझी माझी प्रीत जुळे — कान्हा !’ ॥ ३ ॥

राधिका चतुर बोले० ताल—केरवा.

| | | | |
|------------|-------------|-------------|------------|
| ० | X | ० | X |
| ऽ ऽ धं पं | धं सा ऽ सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० रा ० | धि का ० च | तु र बो ० | ले ० ० ० |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | सा ग ग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ रे धं |
| ० ० ० ० | तु झी मा झी | प्री ० त जु | ळे ० का ० |
| सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | | |
| न्हा ० ० ० | ० ० ० ० | ॥४०॥ | |

| X | ० | ० | X |
|-------------|--------------|---------------|-----------------|
| ऽ ऽ पं पं | धं सा सा सा | ऽ सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० च ल | प्री ० ति पं | ० ख प स | हं ० ० ० |
| सा ग ग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ग ग नीं ० | स्वै ० र फि | हं ० हां ० | हां ० ० ० |
| ऽ ऽ सा रे | रे रे रे रे | ऽ धं धं ग रेग | रे ऽ ऽ ऽ |
| ० ० गि रि | झि ख र सा | ० ग रां ० ० | ना ० ० ० |
| ग ऽ ग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| हं ० बु नि | मे ० धां ० | ना ० हां ० | हां ० ० ० |
| ऽ ऽ धं पं | धं सा ऽ सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० रा ० | धिका ० च | तु र बो ० | ले ० ० ० ॥ ६ ॥ |
| ऽ ऽ पं पं | धं सा सा रे | ऽ ग गुरे सा | रेग ऽ गुरे सारे |
| ० ० न व | ला ० ख दि | व्य र ० म | णी ० ० ० |
| प ऽ ऽ ऽ | ऽ ग ग ग | रेग मग सा ऽ | रे ऽ म ऽ |
| ० ० ० ० | ० मं ग क | म ० य गा ० | णीं ० ० ० |
| प ऽ ऽ ऽ | ग ऽ ग मग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० ० ० | आ ० ल ० वि | ती ० ग ग | नीं ० ० ० |
| ऽ ऽ पं पं | धं सा धं सा | ऽ सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० म धि | कां ० त शां | ० त हं स | रा ० ० ० |
| सा ग ग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| क रि ती ० | फे ० र पु | रा ० हां ० | हां ० ० ० |
| ऽ ऽ धं पं | धं सा ऽ सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ |
| ० ० रा ० | धिका ० च | तु र बो ० | ले ० ० ० ॥ २ ॥ |
| ऽ ऽ ग प | ग प प ऽ | प ध ध प | ग ऽ ऽ ऽ |
| ० ० ही ० | ते ० जा ० | ची ० गं ० | गा ० ० ० |
| सा ग मग रेग | ग प प प | प ध ध प | ग ऽ ऽ ऽ |
| ० ० ० ० ० ० | च ल च ल | श्री ० रं ० | गा ० ० ० |

| | | | | |
|-------------|-------------|-------------|----------|-------|
| ० | X | ० | X | । |
| साग मग रेग | ग प प ग | सा ग ग सा | सा ऽ ऽ ऽ | |
| ०००००० | घा० लुं ह | थें० पिं० | गा००० | |
| ऽ ऽ पं पं | धं सा सा सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ | |
| ०० क रुं | प्रे० म न | म र न पु | लें००० | |
| सा ग ग रे | सा ऽ रे धं | सा ऽ रे धं | सा ऽ ऽ ऽ | |
| तु झी मा झी | प्री० त जु | ले० का० | न्हा००० | |
| ऽ ऽ धं पं | धं सा ऽ सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ | |
| ०० रा० | धि का० च | तु र बो० | ले००० | ॥ ३ ॥ |

लखलख चन्देरी

लखलख चन्देरी तेजाची न्यारी दुनिया
झळाळति कोटी ज्योती या - हां - ॥

चला धरूं रिंगण

चुडी गुढी उंचावून

आकाशींच्या अंगणांत—मंजुळ रुणझुण !

नाचतीं चंद्र - तारे - वाजतीं पैँजण —

छुन् छुन् झुम झुम - हां हां — ॥ १ ॥

झोत रुपेरी - भूमिवरी - गगनांत !

धवळली सारी सृष्टी - नाचत डोलत !

कण कण उजळीत—हांसत हंसवीत—

करि शिणगार — हां हां — ॥ २ ॥

आनंदून रंगून - विसरुनि देहभान

मोहरली सारी काया - हारपली मोहमाया

कुडी चुडी पाजळून - प्राणज्योती मेळवून

एक होऊं या - हां हां — ॥ ३ ॥

लखलख चन्देरी० ताल—केरवा

| | | | |
|---------------------|------------|----------------|------------------|
| ० | X | ० | X |
| ५ ५ सासा सासा | धं सा ५ सा | धं सा ५ सा | रेम मप पध नीध |
| ०० लख लख | चं दे ० री | ते जा ० ची | न्या० री दु० नी० |
| पध पप ५ ध | म ५ प प | मप पम पध धप | म ५ ग ५ |
| बा० ०० ० झ | ळा ० ळ ति | को०टी०ज्यो०ती० | या ० ० ० |
| रेगु रेगु रेसा सासा | | | |
| ०००० लख लख | ॥धृ०॥ | | |

| | | | |
|-------------------|----------------|---------------------|-----------------|
| ० | X | ० | X |
| ऽ मम ऽ पध | ध नी ध प | ऽ मम ऽ पध | ध धनी ध प |
| ० चला ० धरं | रिं ० ग ण | ० चुढी ० गुढी | उं चा० वू न |
| ऽ मम ऽ पध | ध नी ध प | ऽ मप म पध | ध धनी ध प |
| ० आका० शीच्या | अं ग णां त | मं० ० जु ळ | रु ण० झु ण |
| ऽ मप मप ध | ध धनी ध प | ऽ मप मप ध | ध ऽनी ध प |
| ० ना० ० च ती | चं द्र० ता रे | ० वा०० ज ती | पै० ० ज ण |
| प प पध पध | म ऽ ग ऽ | रेगु रेगु रेसा रेसा | |
| खुन् खुन् झुम झुम | हां ० ० ० | हां००० लख लख | ॥ १ ॥ |
| ऽ पध ऽ सारै | रै ऽगु रै सा | ऽ पध ऽ सारै | रै रैगु रै सा |
| ० झो० ० त रु | पे ०० री ० | ० भूमी ० वरी | गग ० नां त |
| ऽ पध ऽ सारै | रै रैगु रै सा | ऽ पध ऽ सारै | रैगु रैगु रै सा |
| ऽ धव ० लली | सा री० सृ ष्टी | ० ना० ० चत | ढो००० ळ त |
| ऽ धध ऽ धध | ध ध ध ध | ऽ धनी ऽ धनी | प ध म प |
| ० कण ० कण | उ ज ळी त | ० हां० ० सत | हं स वी त |
| मप मप पध धप | म ऽ ग ग | रेगु रेगु रेसा सासा | |
| क० री० शि० ण० | गा ० ० र | हां० हां० लख लख | ॥ २ ॥ |

(तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें)

‘ सारे प्रवासी घडीचे ’

सारे प्रवासी घडीचे नांदूं सुखें संगतीं ॥

या दुनियेच्या अफाट हाटीं

पडती गांठी भेटी - अवचित

पडती गांठी भेटी — ! — ॥

बोळूं संगें — चाळूं संगें

खेळूं नाचूं - हंसूं हंसूं संगें ! ॥ १ ॥

पाहूं संगें सुख सोहाळे !

साहूं संगे विजा वादळें !

जीव संगें — भाव संगें —

प्राण देऊं संगतीं — !

प्रीति-मैत्रिच्या पावन - तीर्थीं

न्हाऊं - देऊं - जिवा सुखशान्ती । — ॥ २ ॥

सारे प्रवासी० ताल—कैरवा

| | | | |
|---------------|------------|---------------|-----------------|
| • | X | • | X |
| ग म प ऽ | ऽ ऽ घ नी | ऽ घ ऽ प | म ऽ ग ऽ |
| सा • रे • | • • प्र वा | • सी • घ | डी • चे • |
| ग ऽ म ऽ | प ऽ म ग | ऽ रे ऽ नी | सा ऽ ऽ ऽ ॥ १ ॥ |
| नां • दूं • | • • सु खें | • सं • ग | तीं • • • |
| | सा ग रे ग | रेग रेसा सा ऽ | सा ग रे ग |
| | या • दु नि | ये•••च्या• | अ फा • ट |
| रेग रेसा सा ऽ | रे ग रे ग | रेग रेग सा ऽ | रे म म प |
| हा•••टीं• | प ड ती • | गां•••ठी• | भे • टी • |
| घ नी घ घ | प धप म पम | ग मग रे गरे | सा ऽ सा ऽ ॥ २ ॥ |
| अ व चि त | प ड • ती• | गां•••ठी•• | भे • टी • |

| | X | o | X |
|-----------------|--------------|-----------------|------------|
| | सा ऽ म ऽ | म ऽ म ऽ | ऽ प ऽ प |
| | बो ० लुं ० | सं ० गें ० | ० षा ० लुं |
| प ध प ऽ | ऽ ध ऽ ध | ध ऽ नी ऽ | ऽ ऽ ध ध |
| सं ० गें ० | ० खे ० लुं | ना ० चूं ० | ० ० हं सुं |
| ऽ प प ऽ | म ऽ ऽ ध | प ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ म ग |
| ० रु सुं ० | सं ० ० ० | गें ० ० ० | ० ० सु खें |
| ऽ रे ऽ नी | सा ऽ ऽ ऽ | ग म प ऽ | |
| ० सं ० ग | तीं ० ० ० | सा ० रे ० | ॥ २ ॥ |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | सा ऽ म ऽ | म ऽ म ऽ | म प प नी |
| ० ० ० ० | पा ० हूं ० | सं ० गें ० | सु ख सो ० |
| नी सा नी ध नी ध | प प ऽ प | प नी नी ऽ | नी नी ऽ प |
| हा ० ० ढे ० ० | ० सा ० हु | सं ० गें ० | वि जा ० वा |
| ऽ सा नी ऽ | ऽ सा ऽ सा | सा ऽ सा ऽ | ऽ सा ऽ ध |
| ० द ळें ० | ० जी ० व | सं ० गें ० | ० भा ० व |
| सा रे सा ऽ | रे ऽ ऽ सा | सा ऽ सा ध | सा ऽ ऽ सा |
| सं ० गें ० | प्रा ० ० ण | दे ० ऊं ० | सं ० ० ग |
| सा ऽ सा ऽ | नी ऽ नी नी | ऽ नी नी सा नी | ध ऽ ध ध |
| तीं ० ० ० | प्री ० ति मै | ० त्रि च्या ० ० | पा ० व न |
| प ऽ प ऽ | ऽ ध ऽ ध | ध ऽ नी ऽ | ऽ ऽ ध ध |
| ती ० थीं ० | ० न्हा ० ऊं | दे ० ऊं ० | ० ० जि वा |
| ऽ प प ऽ | म ऽ ऽ ध | प ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ म ग |
| ० सु ख ० | शां ० ० ० | ती ० ० ० | ० ० सु खें |
| ऽ रे ऽ नी | सा ऽ ऽ ऽ | ग म प ऽ | |
| ० सं ० ग | तीं ० ० ० | सा ० रे ० | ॥ ३ ॥ |

| | | | | |
|------------------|--|----------------------|--|-----------------|
| X | | X | | X |
| प घ नी नी नी ऽ | | सां ऽ घ सां सां सां | | प घ सां रे गं ऽ |
| ध्रु व ग ग नीं ० | | जे ० वि ङ ढ ळ | | प ति च र णीं ० |
| सां ऽ रे नी नी घ | | घ सां घ सां रे ऽ सां | | नी नी घ ऽ प म |
| भा ० व ङ च क | | दे ० ईं धैं ० ० र्यं | | ब क दे ० वा ० |
| घ ऽ प म ग रे | | रे ऽ ग रे सा ऽ | | |
| मं ० ग ल व्र त | | पा ० लि ता ० ० | | ॥ २ ॥ |

शुभ बोल मुखें बोलावे

सखू : शुभ बोल मुखें बोलावे ॥ धृ० ॥

इतरां न कधीं सांगणें

जरि घरांत कांहीं उणें

हांसुनी सदा सोसावें

शुभ बोल मुखें बोलावे

श्री विठ्ठल विठ्ठल गावे ॥ १ ॥

दुमदुमे घोष श्रीहरी

सुखदुःख भेद हो दुरी

विठ्ठलमय विश्व पहावें

श्री विठ्ठल विठ्ठल गावे ॥ २ ॥

विठाई माउली.....

शुभ बोल० ताल—केरवा

| | | | |
|-----------------|--------------|------------|-------------|
| X | o | X | o |
| रे म प ऽ म ग् | ग् ऽ सा ऽ | नीं ऽ सा ऽ | ऽ ऽ सा सा |
| शु भ बो० ल मु | खें० बो० ला० | वे० | ०० इ त |
| रेगम म म | ग ऽ सा ऽ | सा रे ऽ ऽ | ऽ ऽ रे म |
| रां०० न क | धीं० सां० | ग णें० | ०० ज रि |
| पध पध ऽ म | मध पम रे सा | रे म ऽ ऽ | ऽ ऽ रे म पध |
| घ० रां०० त | कां००० हीं० | उ णें० | ०० हां००० |
| म प ऽ ग् | ग् ऽ सा ऽ | नीं ऽ सा ऽ | ऽ ऽ रे म |
| सु नी० स | दा० सो० | सा० वे० | ०० शु भ ॥१॥ |
| म ऽ ऽ नी प म | ऽ ग् रे सा | नीं ऽ सा ऽ | ऽ ऽ म प |
| श्री०० वि ढ्ठ ल | ० वि ढ्ठ ल | गा० वे० | ०० दु म |

सां घ ऽ सां ध प म प ध ध ऽ ऽ ऽ ऽ म प
 दु मे ० घो ० ष श्री ० ह री ० ० ० ० सु ख
 नी ऽ नी नी ध प म म म प ध प ऽ ऽ ऽ ऽ नी
 दुः ० ख भे ० ०० द हो ० दु री ० ० ० ० वि
 नी नी नी नी ० ऽ नी प प प ध नी सां नी ऽ ऽ ऽ नी सां
 ह ल म य ० वि श्व प हा ० ०० वै ० ० ० श्री ०
 रे ऽ रे रे रे ऽ रे रे सां ग रे ऽ ऽ ऽ ऽ प ध
 वि ० ह ल वि ० ह ल गा ० वे ० ००० वि ०
 सां ऽ ऽ ऽ ध प म रे ऽ म ऽ प ध ऽ ऽ ऽ ॥२॥
 ठा ० ० ० ई ० ० ० ० मा ० उ ली ० ० ०

पांडुरंग भेटी—

पांडुरंग भेटी, वैष्णव निघाले
विठ्ठल विठ्ठल घोषें, अंबर कोंदलें ॥ १ ॥

उभा विटेवरी आम्हां विठ्ठल हांकारी
पंढरीसी जाऊं जाऊं चंद्रभागे तीरीं ॥
पंढरीसी जाऊं जाऊं विठ्ठल्या नगरीं ॥ २ ॥

सखू :

जाऊं कशी, पाहुं केवी रूपडें सावळें
जिऊ उतावेळ माझा शिणले डोलुले ॥ ३ ॥

ठायीं ठायीं वाटे काटे, अंधकार दाटे
नुरे आस कासावीस, लेकरूं घाकुटें ॥ ४ ॥

दावि दावि चरण माये, निववी लोचन
महासुख लाहीन मी, श्रीमुख पाहीन ॥ ५ ॥

पांडुरंग भेटी० ताल—केरवा

| | | | | | | | |
|----------|---------|-------|------------|---------|----------|---------|-----|
| X | o | X | o | | | | |
| ऽ ऽ पं | ऽ घं सा | ऽ रे | ग ऽ मग | ऽ रे | सा रे | ऽ | |
| o o पां | o डु रं | o ग | भे o o o | टी | o o o | | |
| ऽ ऽ ग | ऽ प म | ऽ म | ग ऽ मग | ऽ रे | ऽ सा | ऽ | ॥४॥ |
| o o वै | o ण व | o नि | घा o o o | ले | o o o | | |
| ऽ ऽ रे | ऽ म प | ऽ ध | ध ऽ धनी धप | म | ऽ गम गरे | | |
| o o वि | o ठ ल | o वि | ठळ o o o | घो० षें | o o o | | |
| रे ऽ ग | प ऽ म | ऽ म | गरे ग मग | ऽ रे | ऽ सा | ऽ | ॥१॥ |
| o o जं ब | o र | o कों | द० o o o | लें | o o o | | |
| ऽ ऽ म | म ऽ म | म ऽ | रे ग म ग | रे | सा रे | ऽ | |
| o o उ भा | o वि टे | o व | o री | o | जा | o म्हां | |

| | | | |
|------------|------------|-----------------|------------|
| X | ○ | X | ○ |
| ऽ ऽ ग ऽ | प ध ऽ | नी ध प नी ध | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ○ ○ वि ○ | ठ ल ○ | हां का ○ ○ री | ○ ○ ○ ○ |
| ऽ ऽ रे ऽ | ग प ऽ | धा नी नी ऽ | ध ऽ प ऽ |
| ○ ○ पं ○ | ढ री ○ | सी जा ○ ऊं ○ | जा ○ ऊं ○ |
| ऽ ऽ ध ऽ | नीधप म म | गरे ग मग ऽ | रे सा रे ऽ |
| ○ ○ चं ○ | द्रं भा ○ | गे ती○○○○○ | रीं ○ ○ ○ |
| ऽ ऽ ध ऽ | ध ध ध ऽ | ध ऽ नीध धप | म ऽ म ऽ |
| ○ ○ जा ○ | ऊं क शी ○ | पा○ हूं ○ ○ ○ | के ○ वी ○ |
| ऽ ऽ प ऽ | ध नी ऽ | सा नीधपधनी सानी | धनी धप ऽ ऽ |
| ○ ○ रु ○ | प हें ○ | सा व○○○○○ | हें○○○○○ |
| ऽ ऽ रे ग ऽ | प प ध | सा ऽ नी ऽ | ध ऽ प ऽ |
| ○ ○ जि ऊ | ○ उ ता ○ | वे ○ ळ ○ | मा ○ झा ○ |
| ऽ ऽ ध ऽ | नीधप ऽ | म ग रे ग ऽ | रे सा रे ऽ |
| ○ ○ शी ○ | ण ○ ळे○ डो | ळु ○ ○ ○ | ळे ○ ○ ○ |

॥२॥

॥३॥

(चवथा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें व पांचवा अंतरा, तिसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें)

भाव भुकेला हरी—

भाव भुकेला हरी ।
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ धृ० ॥
 भेटी आला भक्त सुदामा ।
 भुलला त्याच्या भक्तिप्रेमा ॥
 दैन्य त्याचें हरी ।
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ १ ॥
 त्रैलोक्याचा धनी श्रीपती ।
 सुखें होऊनी पार्थसारथी ॥
 भ्रमे पांडवा घरीं ।
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ २ ॥
 भक्त कबीरा कृष्ण कृपाळू ।
 विणूं लागतो शेले शालू ॥
 बैसुनि मागावरी ।
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ ३ ॥
 अंगण झाडी जातें ओढी ।
 संत जनीच्या घरीं ॥
 कावडी रांजणांत भरी ।
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ ४ ॥

भाव भुकेला हरी० ताल—केरवा

| | | | |
|-------------|---------------|------------|---------------|
| × | ० | × | ० |
| धं मं पं पं | नीं ऽ धं नीं | रे सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ |
| भा० व भु | के० ला० | ह री० क | रि त से० |
| ऽ नीं सा ऽ | नीं धं धं नीं | रे सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥धृ०॥ |
| ० भक्तां० | ची० चा० | क री०० | ०००० |
| ऽ सा रे ऽ | रुंमगुगुमप | ऽ म रे सा | नीं ऽ सा ऽ |
| ० भेटी० | आ०००ला० | ० भक्त सु | दा० मा० |

| X | o | o | X |
|---------------|-----------------|---------------|---------------|
| ऽ नीं सा रे | रेम प पृषमग | ऽ रे सां रे ऽ | नीं ऽ सा ऽ |
| o भु ल ला | त्याo o o च्याo | o भ क्ति o | प्रे o मा o |
| धं मं मं मं | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ |
| दै o न्य त | या o चैo o o | ह री o क | रि त से o ॥१॥ |
| मं ऽ मं ऽ | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ सा | नीं रे सा ऽ |
| त्रै o लो o | क्याo चाo o o | ध नी o श्री | o प ती o |
| सा रे ऽ रेग | रेग रे सा ऽ | नीं ऽ धं नीं | सा रे सा ऽ |
| सु खें o हो | o o उ नी o | पा o र्थ सा | o र थी o |
| धं मं पं नी | ऽ सा धं नीं | रे सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ |
| श्र मे o पां | o ड वा o | घ रीं o क | रि त से o ॥२॥ |
| ऽ पं पं पं | धं ऽ नीं | ऽ सा रे रे | रेग मपम रे ऽ |
| o भ क्त क | बी रा o | o कृ ण्ण कृ | पाo o o लू |
| सा रे ऽ रेग | रेग रे सा ऽ | रेग मग ग ऽ | नीं ऽ सा ऽ |
| वि णूं o लाo | o o ग तो o | शेo o o लेo | शा o लू o |
| धं मं मं मं | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ |
| बै o सु नि | मा o गाo o o | व री o क | रि त से o ॥३॥ |
| ऽ सा नीं धं | नीं रे रे ऽ | ऽ गम ग रे | ग म ग ऽ |
| o अं ग ण | झा o डी o | o जाo तें o | ओ o डी o |
| ऽ ग ग ग | ग ऽ मग म | ग रे ऽ सा | ऽ ग रे ऽ |
| o सं त ज | नी o च्याo o | घ रीं o का | o व डी o |
| रेग मग रे सा | ऽ नीं धं नीं | रे सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ |
| रांo o o जणां | o त हा o | भ री o क | रि त से o |
| ऽ नीं सा ऽ | नीं धं धं नीं | रे सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| o भ क्तां o | ची o चा o | क री o o | o o o o ॥४॥ |

दहा वाजतां

हवास मज तूं

हवास मज तूं हवास सखया ॥ धृ० ॥

हृदयीं माझ्या भाव उसळती ।

ओठावरती शब्द नाचती ॥

रचावया परि कविता-पंक्ती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ १ ॥

भुलविती खुलविती रसिक मनाला ।

सुमनांचा मी संचय केला

गुंफाया परि मोहक माला-

हवास मज तूं हवास रे ॥ २ ॥

असे कुंचली रंगही असती ।

घवल फलकही आहे पुढती ॥

रेखाया परि रम्य आकृती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ ३ ॥

स्नेहही आहे, आहे पणती ।

मंदिरांतल्या मूर्तीपुढती ॥

उजळाया परि जीवन-ज्योती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ ४ ॥

हवास मज तूं० ताल—केरवा-मात्रा ४

| | | | |
|---------------|-------------|----------|----------|
| × | ० | × | ० |
| सा सुरे ग् रे | सा नीं सा ऽ | रे ग ऽ म | प ध म ग |
| ह वा०० स | म ज तूं ० | ह वा ० स | स ख या ० |
| मा ग् रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ॥ धृ० ॥ | |
| स ख या ० | | | |
| ध्रं सा रे म | ग म ग रे | रे म प ध | ग प म ऽ |
| हृदयीं ० | मा ० झ्या ० | भा ० व उ | सळती ० |

| X | | X | | X | |
|-------------|--------------|-------------|------------|-----|--|
| धं सा रे ग | ग प म ऽ | ऽ म म मधु | पधु प म ऽ | | |
| ओ० ठा० | व र ती० | ० शब्द ना० | ०० च ती | | |
| म ध ऽ ध | पधु नीधु प प | मु प मप धप | म ऽ ग ऽ | | |
| र चा० व | या००० परि | क वि ता००० | पं० क्ती० | | |
| ग प ऽ ध | धसा नीधु प ऽ | मु प ऽ प | मग रेग ऽ ऽ | ॥१॥ | |
| ह वा० स | म० ज० तूं० | ह वा० स | रे००००० | | |
| सा ग रे सा | नीं सा नीं ध | धं नीं रे ग | रे मु ग ऽ | | |
| भु ल वि ति | सु ख वि ति | र सि क म | ना० ला० | | |
| सा ग रे सा | नीं सा नीं ध | धं नीं रे ग | रे मु ग ऽ | | |
| सु म नां० | चा० मी० | सं० च य | के० ला० | | |
| सा रे ग रे | ग मु प प | ग ऽ प ध | पधु नी ध ऽ | ॥२॥ | |
| गुं० फा० | या० परि | मो० ह क | मा०० ला० | | |
| धं सा ऽ ग | ऽ म रे ऽ | रे म प ध | ग प म ऽ | | |
| अ से० कुं | ० च ली० | रं० ग ही | अ स ती० | | |
| धं सा रे ग | रेगु प म ऽ | म ध प ध | ग प म ऽ | | |
| ध व ल फ | क० क ही | आ० हे० | पु ढ ती० | | |
| ध ऽ ध ऽ | पधु नीधु प प | प ऽ प मप | धप म ग ऽ | ॥३॥ | |
| रे० खा० | या००० परि | र० म्य आ० | ०० कृ ती० | | |
| सा रे ग म | प म ग सा | सा रे ग मग | रे रे सा ऽ | | |
| स्ने० ह ही | आ० हे० | आ० हे०० | प ण ती० | | |
| धं सा धं सा | रे ग सा ऽ | सा रे ग म | रे रे सा ऽ | | |
| मं० दि रां | ० त ल्या० | मू० तिं० | पु ढ ती० | | |
| सा रे ग रे | ग मु प प | ग ऽ प ध | पधु नी ध ऽ | ॥४॥ | |
| उ ज ळा० | या०० परि | जी० व न | ज्यो०० ती० | | |

‘तो म्हणाला’—

तो म्हणाला, सांग ना गे मी तुझा ना साजणी ।

ती म्हणाली, रत्न राया मी तुझ्या रे कोंदणी ॥ १ ॥

तो म्हणाला, प्रेम म्हणजे वेड मजला वाटतें ।

ती म्हणाली, गोड अन् तें ओढ जीवा लावितें ॥ २ ॥

तो म्हणाला, भावनेचे खेळ सारे नाचरे ।

ती म्हणाली, जीवनाचा भावना आधार रे ॥ ३ ॥

तो म्हणाला, प्रीत करिते दो जिवांची एकता ।

ती म्हणाली, होय ना ? मग का अशी ही दूरता ? ॥ ४ ॥

तो म्हणाला० ताल—केरवा.

| | | | |
|-------------|-----------------|-------------------|---------------|
| X | o | X | o |
| ५ धं ५ नी | सा ५ ग ५ | ५ ग ५ सा | साग मधु पम |
| o तो o म्ह | णा o ला o | o सां o ग | नाo o o गेo |
| ५ ग ५ सा | रे ५ सानीं घनीं | ५ सागमधुप ५ म | मग रेग ५ ५ |
| o मी o तु | झा o ना o o o | o सा o o o o o ज | णी o o o o o |
| ५ ग ५ सा | रे ५ सा ५ | ५ ग ५ म | पधु ५ पधु ५ |
| o ती o म्ह | णा o ली o | o र o त्न | राo o याo o |
| पम प ५ म | ग ५ मरे ५ | ५ गमधुप ५ म | मगरेग ५ ५ ५ |
| o o मी o तु | इया o रे o o | o कों o o o o o द | णीं o o o o o |
| ५ म ५ म | म ५ म ५ | ५ म ५ ध | ध ध ध ध ५ |
| o तो o म्ह | णा o ला o | o प्रे o म | म्ह ण जे o |
| प पध नी ध | म ध पम गम | रे रेमपध ५ म | प ५ गम धुप |
| o वे o o ड | म ज ला o o o | वा o o o o o ट | तें o o o o o |

॥ १ ॥

| | | | |
|----------------|----------------------|----------------|------------------|
| X | • | ° | X |
| ऽ ग ऽ सा | रे ऽ सा ऽ | ऽ ग ऽ म | पध पध नी |
| ० ती ० म्ह | णा ० ली ० | ० गो ० ङ | अन् तें ० ० |
| ऽ नी ऽ सा | ध ऽ पम गम | रे रेमपध ऽ म | प ऽ गम धप |
| ० ओ ० ङ | जी ० वा ० ० ० | ० ला ० ० ० ० | वि तें ० ० ० ० |
| ऽ ग् ऽ ग् | ग् ऽ रे ऽ | ऽ ग् ऽ प | प ऽ प ऽ |
| ० तो ० म्ह | णा ० ला ० | ० भा ० व | ने ० चे ० |
| ऽ गपधसा ऽ ध | पध् प ग् ऽ | ऽ रेग् मपम ग् | रे ऽ ऽ ऽ |
| ० खे ० ० ० ० ल | सा ० ० रे ० | ० ना ० ० ० ० च | रे ० ० ० ० |
| ऽ ग ऽ सा | रे ऽ सा ऽ | ऽ ग ऽ म | प ध पध नी |
| ० ती ० म्ह | णा ० ली ० | ० जी ० व | ना ० ० ० चा |
| ऽ नी ऽ सा | नीधपधऽपमगमऽ | ऽ रेमपध ऽ म | प ऽ गम धप |
| ० भा ० व | ना ० ० ० ० आ ० ० ० ० | ० धा ० ० ० ० र | रे ० ० ० ० ० |
| ऽ ग ऽ ग् | ग ऽ गरेसा | ऽ साग ग रे | सासा धंसा धंपं |
| ० तो म्ह ० | णा ० ला ० ० | ० प्री ० ० त | करिते ० ० ० |
| ऽ ग ऽ ग् | ग ऽ ग ग् | ऽ ग प ध | पनीध ऽप म ऽ |
| ० दो ० जि | वां ० ची ० | ० ण् ० क | ता ० ० ० ० ० ० |
| ऽ ग ऽ सा | रे ऽ सा ऽ | ऽ ग ऽ म | प ध ऽ नी नी |
| ० ती म्ह ० | णा ० ली ० | ० हो ० य | ना ० म ग |
| ऽ नी ऽ सा | ध ऽ म् ऽ | रे रेम पध म् | प ऽ ऽ गमधप |
| ० का ० अ | बी ० ही ० | ० द् ० ० ० र | ता ० ० ० ० ० ० ० |

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

हैं चिमणं गोजिरवाणं—

हैं चिमणं-गोजिरवाणं
हरिखुन गेलं आज कशानं ?
नाजुक हंसतं मोहक डुलतं
गाई गाणं मंजुळवाणं !
सखे ग ! प्रेम मनीं फुललें ॥
घेउनि हातीं अमृत-प्याले-
सुख दारीं आलें ! ॥
मुग्ध कळीला पवन भेटला
नवजीवन नटलें ! ॥
मनं मनाला मिळलीं जुळलीं
भेदभाव विरले ! ॥
दिसे प्रीतिच्या प्रतिबिम्बांनीं-
जग अवघें भरलें ! ॥

हैं चिमणं० ताल—केरवा.

| | | | |
|---|---|---|---|
| X | ० | X | ० |
| रुं रे रे सा रे ग् प ऽ प ध नी सा नीध पध प ऽ | | | |
| हैं००० चि म णं ० ० ० गो ० जि र वा००० णं ० | | | |
| प सा नी सा नी ध प म ग म प ध मग रेग म ऽ | | | |
| ह रि खु न गे ० लं ० आ ० ज क शा ००० नं ० | | | |
| म नी ध प ध नी सा ऽ सा रें सा नी ध नी ध ऽ | | | |
| ना ० जु क ह स तं ० मो ० ह क डु ल तं ० | | | |
| ध नी सा रें रेंसा नी ध प धसा नीसा धप मग रेग म ऽ | | | |
| गा ० ई ० गा०० णं ० मं००० जुळ वा००० णं ० | | | |
| ऽ ऽ ऽ म रे ग प ध धनी सा नी धप पनी धप मग रेग | | | |
| ० ० ० स खे ० ग ० प्रे ० ० ० मम नीं००० फु ० ल ० | | | |

| | | | |
|--------------|-------------|-----------------------------|-----------------------|
| X | ○ | X | ○ |
| म ऽ ऽ ऽ | रे ग म प | मग रेग म ऽ | म सां नी सां |
| लें ○ ○ ○ | वे ○ ऊ नि | हा○ ○○○ तीं○ | अ ○ मृ त |
| ध नी ध ऽ | ध नी सां रे | रेसां नी नीसां नीसां | ध सां नी धप ध प्रेम |
| प्या ○ ले ○ | सु ख दा ○ | रिं○○ आ○○○ | लें ○○ ○○ ○ मनीं○ |
| ऽ ग ग प | गप धप ग रे | ग प प ध | ऽ नी ध ऽ |
| ○ सु ग्ध क | ळी○○○ ला ○ | प व न भे | ○ ट का ○ |
| म नी ध प | ध नी सां रे | सां नी धनी सां ऽ | रेसां नी धप मगम प्रेम |
| न व जी ○ | व न न ट | लें ○ ○○ ○○ | ○○○○○○○○○ मनीं○ |
| गप ऽ धप | मग रेग म ऽ | म सां नी सां | ध नी ध ऽ |
| म नें ○ म ○ | ना○○○ ला ○ | मिळ लीं ○ | जु ळ लीं, ○ |
| ध ऽ ध ध | ऽ नी सां रे | सां रे सां रे नी सां नी सां | धनी धप मप ध प्रेम |
| भे ○ द भा | ○ व बि र | ले ○ ○○○○○○○○ | ○○○○○○○○○ मनीं○ |
| म ध ऽ सोनी | ध प म ऽ | ग म ग रे | गप धनी ध ऽ |
| दि से ○ प्री | ○ ति च्या ○ | प्र ति बि ○ | बां ○ ○○ नीं ○ |
| म नी ध प | ध नी सां रे | सां नी धनी सां ऽ | रेसां नी धप मगम प्रेम |
| ज ग अ व | धें ○ भ र | लें ○ ○○ ○○ | ○○○○○○○○○ मनीं○ |

गोड गुपित—

गोड गुपित कळलं मला ॥
 माण्डव घाला करा तयारी
 नवऱ्याला ही पसन्त नवरी-
 मुहूर्त ठरवा चला- ! ॥
 नवरा नवरी सजवा मिरवा
 जेवण घाला गांव बोलवा-
 खण्डीचे लाडू वळा- ! ॥
 लाजु नको ग घास घालना
 ऐका ऐका गोड उखाणा-
 करूं नका गलबला- ! ॥
 ' समोरच्या कोनाड्यांत ठेवले पेढे
 अशोकपन्त झाले प्रेमानें वेडे '
 म्हणुनि भाळले हिला- ! ॥
 वहिनी माझी आशाराणी
 मुलामुलींची गोजिरवाणी-
 सेना होवो तिला- ! ॥

गोड गुपित० केरवा-मात्रा ४

| | | | |
|-----------|-----------|-----------|---------------|
| X | ० | X | ० |
| | | | सा नीं |
| | | | गो ड |
| सा ग ऽ ग | ग म प ध | म प ऽ म | ग रे सा नीं |
| गु पि ० त | क ळ लं ० | म ला ० म | ला ० ० ० |
| सा ग ऽ ग | ग म प ध | नीं प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥३०॥ |
| गु पि ० त | क ळ लं ० | म ला ० ० | ० ० ० ० |
| ग ऽ ग म | ग रे ग ऽ | ग म प ध | पम गम प ऽ |
| मां ० ड व | घा ० ला ० | क रा ० त | या ० ० ० री ० |

| | | | |
|-------------|-----------|----------|-------------|
| ० | X | ० | X |
| ग प प ऽ | प ऽ प ऽ | ग प ऽ ध | ध नी ध ऽ |
| न व ञ्या ० | ला ० ही ० | प सं ० त | न व री ० |
| ध प ध ऽ | प म् प ऽ | म ग म ऽ | ग रे ग ऽ |
| ० ० ० ० | ० ० ० ० | ० ० ० ० | ० ० ० ० |
| मा ग ऽ ग | ग म प ध | म प ऽ म | ग रे सा नीं |
| मु हू ० त्त | ठ र बा ० | च ला ० च | ला ० ० ० |
| मा ग ऽ ग | ग म प ध | नी प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| गु पि ० त | क ल लं ० | म ला ० ० | ० ० ० ० |

॥१॥

('नवरा नवरी सजवा मिरवा', हा अंतरा 'मांडव घाला करा तयारी' प्रमाणें)

| | | | |
|--------------|---------------|-------------|-------------|
| ध ऽ ध ध | ध ऽ ध प | ग प ध नी | ध नी नी प |
| ला ० जु न | को ० ग ० | घां ० स घा | ० ल ना ० |
| ग ऽ ग प | ग रे रे ऽ | ग प ध नी | नी ध प प ऽ |
| ऐ ० का ० | ऐ ० का ० | गो ० ड उ | झा ० ० णा ० |
| सा ग ऽ ग | ग म प ध | नी प ऽ | |
| क रूं ० न | का ० ग ल | ब ला ० | |
| स मो र ञ्या | को ना ढ्यां त | ठे व ले | पे डे |
| अ शो क पंत | झा ले | प्रे मा नें | वे डे |
| सा ग ग ग | ऽ म प ध | म प ऽ म | ग रे सा नीं |
| म्ह णु नि भा | ० ल ले ० | हि ला ० हि | ला ० ० ० |
| प प प ऽ | प ऽ प म् | ग म् प म् | ग रे सा ऽ |
| व हि नी ० | मा ० झी ० | आ ० शा ० | रा ० णी ० |
| ग प ऽ ध | सा नी ध प | ग प ध प | ग रे सा ऽ |
| मु लां ० सु | ळीं ० ची ० | गो ० जि र | वा ० णी ० |
| सा ग ग रे | ग म प ध | म प ऽ म | ग रे सा नीं |
| से ० ना ० | हो ० वो ० | ति ला ० ति | ला ० ० ० |

॥२॥

॥३॥

चल थरकत मुरकत

चल थरकत मुरकत डौलांत रे ॥
 खुले धर्तीचा नूर नव्या नवलांत रे ॥
 चैतवैसाखाच्या संग
 शिणगाराला नवा रंग
 आली लगीनसरार्ह थाटामाटांत रे ॥
 ज्योतीलागी मिळे ज्योती
 दोन जीव एक होती-
 झरे पिर्तीच्या अघ्रिताची बरसात रे ॥
 नेऊं वाजत गाजत
 राजाराणीची वरात-
 गड्या मिरवत चन्देरी रथांत रे ॥
 जाइल साडेसाती दूर
 येइल कमाईला पूर
 जरा खाऊं पिऊं राहूं रंगढंगांत रे ॥

चल थरकत ताल—केरवा

| | | | |
|---------------|----------|--------------|----------------------|
| × | ○ | × | ○ |
| | | | सा सा |
| | | | च क |
| धं नीं धं नीं | धं नीं | धं प | धं सा ऽ रे सा रे ग ऽ |
| थ र क त | मु र क त | डौ लां | ○ त रे ○ ○ ○ |
| सारे र ग रे | सा ऽ म म | म म | ऽ रे ग ऽ ग सा |
| डौं कां ○ त | रे ○ | खु ले ध र्ती | ○ चा नूर ○ न व्या |
| सारे रेग ऽ रे | सा ऽ | | |
| न व लां ○ ○ त | रे ○ | ॥४०॥ | |

म म
चै त

| | | | |
|---------------|---------------|---------------|--------------|
| X | o | X | o |
| ग म प म | ग सा म प | ध प ध प | म ग सा सा |
| वै सा खा ब्या | संग क्षि ण गा | रा ला न बा | रं ग आ ली |
| धं नीं धं नीं | धं पं पं पं | धं सा ऽ रे | सारे मग ग सा |
| ल गी न स | रा ई था टा | मा टां ० त | रे० ०० था टा |
| सारे रेग ऽ रे | सा ऽ सा नीं | धं नीं धं नीं | ॥१॥ |
| मा० टां० ० त | रे ० च ल | थ र क त | |

म प
ज्यो ति

| | | | |
|-----------------|---------------|-------------|--------------|
| म प म प | म ग ग म | प नी ध नी | ध प ध ध |
| ला गी मि के | ज्यो ती दो न | जी व ए क | हो ती झ रे |
| पध पध ऽ म | म प धप म | गम पध धप म | ग ऽ सा सा |
| पि० तीं० ० च्या | अ त्रि ता० ची | बर सा० ०० त | रे ० च ल ॥२॥ |

प ध
ने ऊं

| | | | |
|---------------|---------------|-------------|-------------|
| प नी ध नी | ध प प ध | नी सा नी सा | नी ध ऽ ऽ |
| वा ज त गा | ज त रा जा | रा णी ची व | रा त ० ० |
| नीनी नीनी नीप | पध पध म मप | धप म ग ऽ | ऽ ऽ सा सा |
| गळ्या मिरवत | चं० दे० री र० | थां० त रे ० | ० ० च ल ॥३॥ |

ग म
जा ई ल

| | | | |
|----------------|---------------|---------------|--------------|
| प सा नी सा | सां ऽ प सांसा | नी ध प म | ग ऽ ऽ नीनी |
| सा डे सा ती | दूर ० बेई ल | क मा ई ला | पूर ० ० ज रा |
| नी सा नी सा | नी सा नी धप | पध नीध ऽ प | म ऽ म म |
| खा ऊं पि ऊं | रा हूरं ग० | ढं० गां० ० त | रे ० रं ग |
| मप धप ऽ म | ग ऽ म म | म म म रे | ग ग ग सा |
| ढं० गां० ० त | रे ० च ल | थ र क त | सु र क त |
| धंसा धंसा ऽ रे | सारे मग ऽ ऽ | सारे रेग ऽ रे | सा ऽ सा सा |
| ढौं लां० ० त | रे० ०० ०० | ढौं लां० ० त | रे ० च ल |

○ × ○

ऽ पप प प प पध् धूप ऽ गृग गुरे
○ म धु र सु खा ०० वै ० ○ स्व प्र सं ०

रे ग् रे ऽ ऽ ग् ग् ग् सारे गुप पऽ ऽ घसां ऽ घसां
○ प कें ० ○ न मृ त प्या ००० कें ० ○ विष ० म य

ऽ घसां ऽ धुप ऽ ध ध ऽ ऽ ध ध नी ऽ धपध ऽ प
○ झा ० ○ कें ० ○ के वी ० ○ ओ ठा ० ○ ला ०० ○ ऊं

ऽ सारे ग् प
○ ह द या ० ॥२॥

ऽ ध ध ऽ ध ऽ ध ऽ ऽ नीनी नी धम ऽ धनीसांनीध
○ सं झा ० वा ० तें ० ○ वि झ ली ०० ○ ज्यो ००००० ती

ऽ नी ऽ धनी ऽ ध नी ऽ ऽ पनी नीसां रें ऽ सां गुरें सां ऽ नी
○ मं ० दि रां ० त ली ० ○ फु ट ली ०० ○ मू ००००० ती

ऽ पध सां सां सारें ऽ सां रें ऽ ऽ रें सारें ऽ सां ऽ ऽ ऽ ऽ
○ प्र ल ब क सा ००० हा ०० ○ सा ००० हूं ○ ○ ○ ○

ऽ पध सां सां सारें ऽ सां रें ऽ रें सारें ऽ सां ऽ सारे ग् प
○ प्र ल य क सा ० ० ० हा ० ○ सा ००० हूं ○ ह द या ० ॥३॥

दिसते सृष्टी आज नवीन्

दिसते सृष्टी आज नवीन् ॥ घृ० ॥
 छळ शिशिराचा दारूण सोसुन ।
 वृक्ष लता या आल्या बहरून ॥
 नव वेलीघर नवीन सुमने ।
 गंध नवे अन् रंग नवीन् ॥ १ ॥

व्याकुळलेलीं रानपांखरे ।
 पसरुनि अपुले पंखपिसारे ॥
 खुल्या दिलानें उडतीं गातीं ।
 सूर नवे अन् गीत नवीन् ॥ २ ॥

चढलों डोंगर हांसत झुंझत ।
 काळोखांतुन कांटे तुडवित ॥
 दिव्य-प्रीतिचें झालें दर्शन ।
 आणि लाभली दृष्टी नवीन् ॥ ३ ॥

दिसते सृष्टी० ताल—केरवा

| | | | |
|-------------|-------------|-------------|--------------|
| X | o | X | o |
| ऽ ग ध प | ग ऽ सा ऽ | ग म प नी | ध ऽ ऽ ध ॥घृ॥ |
| o दि स ते | सृ o ष्टी o | जा o ज न | वी o o न |
| ऽ रेग् रे प | ग् ऽ सा ऽ | ऽ रेग् म प | मग् रेग् म म |
| o छळ शिशि | रा o चा o | o दा रू ण | सो o o सु न |
| ऽ ग ग ग | ग ऽ मग् रे | ऽ गप पध ऽ | पध नीध पम |
| o वृ क्ष ल | ता o या o | जा o ल्या o | ब o ह o रुन |
| ऽ ग प प | प ऽ प प | ग मु ऽ ग | मु ध प ऽ |
| o न व वे | लीं o ब र | न o वी न | सु म ने o |
| ग म प मु | प ऽ प ग | ग म प नी | ध ऽ ऽ ध ॥१॥ |
| गं o ध न | वे o अन् o | रं o ग न | वी o o न |

| | | | |
|-------------------|--------------|--------------|----------------|
| X | o | X | o |
| ऽ ग् ग् ग् | ग् ऽ सा ऽ | सारेगमममग | रेग मग रेसा |
| o व्या कु ल | हे o ह्रीं o | राooo नपांo | oo खo रेo |
| सा रे ग प | ग प प ऽ | ग मु प ध | पमु गमु पऽ |
| प स रु नि | अ पु ले o | पं o ख पि | साo oo रेo |
| प प ऽ प | प ऽ पमु ग | ऽ गध ध ऽ | ध ऽ नीध प |
| खु ह्या o दि | ला o नेंo o | o उड तीं o | गा o तींo o |
| ऽ नी नी नी | नी ऽ सानी ध | ऽ धनी साँ रे | साँ ऽ ऽ साँ |
| o सू र न | वे o अनूo o | o गीo त न | वी o o नू |
| ग मु ग मु | ग रे सा सा | ग म प नी | साँ रे नी साँ |
| च ढ ढों o | ढों o ग र | हां o स त | खुं o ज त |
| सा रे म ऽ | म ऽ म ग | म नी ध नी | साँ रे नी साँ |
| का o लो o | साँ o तु न | कां o टे o | तु ढ वि त |
| साँ ऽ रे नी | ऽ ध प ऽ | म प नीं साँ | नीसाँ रे रे रे |
| दि o व्य प्री | o ति खें o | झा o छें o | द o o शी न |
| ऽ रे रे गेरेसाँरे | ग रे साँ ऽ | ऽ धनी साँ रे | साँ ऽ ऽ साँ |
| o भाजिलाo o | o भ ली o | o द o ष्टी न | वी o o नू |

॥२॥

॥३॥

भरत-भेट

उद्यां होइल राजाराम

उद्यां होइल राजाराम,
रघुनंदन मेघश्याम मे ॥ धृ० ॥
कर्धी ? उद्यां ?
हां उद्यां— !
राजा राम ?

हां हां ! निघे ध्वनी-त्रिभुवनी—
जय जय राम ॥ १ ॥

हांसूं तान्यापरी-नांचूं झन्यापरी !
हांसूं फुलापरी-नांचूं मोरापरी !
गाऊं पक्ष्यापरी ॥
गाऊं भृंगापरी ॥

गाऊं गुं गुं गुं गुं गान—
रघुनंदन मेघश्याम ॥ २ ॥

मी होईन कवी-गाणीं गाईन नवीं ।
कविराया हवी-राणी स्फूर्ती-देवी ।
गाजे जयजय ध्वनी-पाहुं सिंहासनी !
रघुनंदन मेघश्याम राम,
उद्यां होइल राजा राम ॥ ३ ॥

उद्यां होइल राजाराम ताल—केरवा

| | | | | | | | | | | | | | |
|-------|--------|----|----|----|----|----|----|----|---|------|----|---|---|
| | x | | o | | x | | | | | | | | |
| S S S | रेगु | सा | गू | रे | सा | रे | ग | म | S | प | S | S | प |
| o o o | उद्यां | हो | o | इ | ल | रा | o | जा | o | रा | o | o | म |
| S S | ध ध | घ | रे | सा | नी | घ | सा | नी | ध | प | नी | ध | प |
| o o | र घु | नं | o | द | न | मे | o | घ | o | श्या | o | o | म |

० ×
 म ऽ ग् रे
 ने ० उ छां ॥४॥
 ऽ ऽ प ध नी सां ऽ ऽ
 ० ० क वीं उ छां ० ०
 ऽ ऽ ध नी नीसां रे ऽ रे
 ० ० रा जा रा ० ० म
 रे सां प ध नी सां ऽ रे
 ० ० नि धे ध्व नी ० त्रि

म ऽ ग् रे
 रा म ० उ छां ॥१॥

ऽ ऽ धं नीं सा सा ऽ रे
 ० ० हां सूं ता ज्या ० प
 म ऽ म ग म ध ऽ प
 री ० हां सूं फु ला ० प
 म ऽ म ग म नी ध नी
 री ० गा ऊं प क्ष्या ० प
 सां ऽ ग् रे सा ग् रे सा
 री ० गा ऊं गुं ० गुं ०
 ऽ ऽ म ग रे म ऽ प
 ० ० मी ० हो ई न् ० क
 म ऽ ध नी सां सां ऽ रे
 वी ० क वि रा या ० ह
 ध ऽ ध ध ध नी ऽ ध
 वी ० गा जे जयजय् ० ध्व
 ध ऽ ध ध ध रे सां नी
 नी ० र घु नं ० द न
 म ऽ ग् रे सा ग् रे सा
 ने ० उ छां हो ० इ क

० ×
 ऽ ऽ ध नी ध प ऽ ऽ
 ० ० हां ० उ छां ० ०
 ऽ ऽ ऽ ऽ ग् रे सां ग्
 ० ० ० ० हां ० ० हां
 सां नी ध प प नी ध प
 भु व नी ० ज य ज य

सा ऽ सा नीं सा ग ऽ रे
 री ० नां चूं झ ज्या ० प
 ध नी ध प ग म ऽ प
 री ० नां चूं मो रा ० प
 सां ऽ सां सां नी नी ऽ नी
 री ० गा ऊं भृं गा ० प
 रे ग् म ऽ प ऽ ऽ ऽ
 गुं ० गुं ० गान ० ० ०
 ध नी ध प म ग ऽ प
 वी ० गा णीं गा ई न् ० न
 सां ऽ नी ध प ध ऽ नी
 वी ० रा णी स्फूर् तीं ० दे
 प ध ऽ म म प म प
 नीं पा ० हूं सि हा ० स
 ध सां नी ध प नी ध प
 मे ० घ ० श्या ० ० म
 रे ग् म ऽ प ऽ ऽ प
 रा ० जा ० रा ० ० म्

॥२॥

॥३॥

चालला वना रघुवीर

चालला वना रघुवीर ॥ धृ ॥
 भाग्यलता जगमाता सीता
 संगे लक्ष्मण सुमन सुधीर ॥ १ ॥
 राजहंस सुकुमार सुमंगल
 वर्नी चालले उडुनी दूर ॥
 जन करिती आकांत
 लोचनीं ढळढळ वाहे नीर ॥ २ ॥
 धांवा धांवा-कुणी थांबवा-रघुराया ॥
 धांवा कोणी वर्नी न धाडा
 शत जन्मांची पुण्याई ॥
 मूर्तिमंत आनंद चालला
 उरली दुःखाची खाई ॥ ३ ॥
 रथ रामाचा घड घड चाले
 कालचक्र हें वक्र फिरे ॥
 ग्रहण घेरिते रघुरधिविंबा
 प्रकाश गेला तिमिर भरे ॥ ४ ॥
 प्राण निघाले दूर-
 राहिलें मागें ओस शरीर ॥

चालला वना रघुवीर० ताल—केरवा.

| | | | |
|------------|------------|------------|--------------|
| ० | X | ० | X |
| ऽ ऽ धं सा | रे म ऽ पुम | ग सा रे रे | सा ऽ ऽ सा |
| ० ० चा ० | ळ ला ० व ० | ना ० र घु | वी ० ० र |
| | ऽ प प धू | म ऽ प धू | सा ऽ सा ऽ |
| | ० भा ग्य ल | ता ० ज ग | मा ० ता ० |
| रै नी सा ऽ | ऽ नी ऽ नी | सा ऽ सा सा | ऽ साहे नी सा |
| सी ० ता ० | ० सं ० गे | ळ ० क्षम ण | ० सु म न सु |

० X ० X
 ध्र ऽ ऽ प ऽ नी नी ध ऽ नीध प म ऽ पध नी नी
 धी ० ० र ० रा ज हं ० स ० सु कु ० मा ० र सु
 ध्र ऽ प प प ध्र म मप ध्रप मग रे सा ऽ सा रे ग रे
 मं ० ग क व नी ० चा ० ० ० ल ० के ० ० ड डु नी ०
 म ऽ ऽ म ॥१॥ (तालाशिवाय म्हणणे)
 दू ० ० र

सां रे रे रे रे रे सां रे ग् ऽ ऽ ग् ग् रे ग् ऽ रे सां रे ग् रे सां
 ज व क रि ती भा ० कां ० ० ० त लां च नी ० ० ० ड ल ड ल

ध्र ऽ प ऽ ऽ ध सां ऽ ऽ सां
 वा ० हे ० ० नी ० ० ० र ॥२॥

रे रे रे रे ऽ ऽ ऽ रे रे रे ग् म ग् म ग् रे ऽ ऽ सां रे सां रे सां सां ऽ ऽ
 धां वा धां वा ० ० ० कुणी ० थां ० ० ० ब ० वा ० ० र धु रा ० ० या ० ०
 ऽ प ध सां ऽ सां सां रे सां नी नी सां नी ध पध्र ऽ प ऽ
 ० धां वा ० ० को णी ० ० व नी ० ० न धा ० ० डा ०
 ऽ प प ध रे सां रे सां नी ध ऽ ध प म ध ध प ऽ ऽ
 ० श त ज ० न्मां ० ० ची ० ० पु ० ष्या ० ई ० ० ०

(तालाशिवाय)

रे रे रे ऽ रे रे सां सां रे ग् ग् ऽ रे ग् ऽ ऽ रे ग् रे सां
 मू र्ती मं ० त जा ० नं ० ० द चा ० ल ला ० ० ड र ढी ०

नी ध्र ऽ प ऽ प रे ऽ सां ऽ
 दुःखा ० ची ० खा ० ० ई ०

ऽ सा सा सा ऽ रे प प ऽ ऽ पध प ध म ऽ ग रे सा रे
 ० र थ री ० मा ० चा ० ० ध ड ध ड चा ० ले ० ० ० ०

| | | | |
|--------------|-------------|--------------|-----------|
| ◦ | X | ◦ | X |
| ऽ पप प ऽ | ऽ ध म ऽ | ऽ रे रे ग | रे ऽ ऽ ऽ |
| ◦ का क च◦ | ◦ क हँ ◦ | ◦ व क कि | रे ◦ ◦ ◦ |
| ऽ सासा सा नी | ऽ सानी ध प | ऽ नीरै सा सा | नी ऽ ध प |
| ◦ म ह ण घे | ◦ रि ◦ तँ ◦ | ◦ र घु र वि | वि ◦ बा ◦ |
| प पध नीध प | म ऽ ग रे | ऽ सारे म ग | रे ऽ ऽ ऽ |
| प्र का◦◦◦ श | गे ◦ का ◦ | ◦ तिमि र भ | रे ◦ ◦ ◦ |

(तालाशिवाय)

रै रै रै रै रैगमै रैगसारे ऽ रै ग् रै ग् ऽ सा रै ग् रै सा
 प्राण निघाळे◦◦ दू◦◦◦ ◦ र रा हि लें ◦ मा ◦◦ गें ◦
 सा नी ध् म म प ऽ प ॥२॥
 ओ ◦◦ स श री ◦ र

वन्दुनि पावन पाया !

वन्दुनि पावन पाया-
नेऊं पैलथडी रघुराया ॥

धूळ लागतां या पायाची
शिळा अहल्या झाली !
नावेची या नकरी नारी-
भक्तांचा तू वाली-
आवर अपुली माया ! ॥

पाप ताप करि दूर-उद्धरी-
जीवन गंगामार्ई-
न्हाणिन, प्राशिन प्रभुचरणामृत
ठेविन पायी होई ! ॥

नाव आमुची औट हात ही
गंगा ओलांडाया-
तव नांवाची नाथ क्याळा
अथांग भव ताराया
भक्तां उद्धाराया- ! ॥

वंदुनि पावन० ताल—केरवा.

| | | | |
|---------------|---------------|------------------|---------------|
| X | ० | X | ० |
| ऽ नीं नीं नीं | नींसा ऽ सा सा | सारे गुरे सा नीं | ऽ सागु ग् म |
| ० वं धु नि | पा ० ० व न | पा ० ० ० या ० | ० ने ० ऊं ० |
| ऽ धूप म ग् | रे ऽ नीं नीं | सा ऽ सा ऽ | |
| ० पै ० ल थ | डी ० र धु | रा ० या ० | ॥धृ॥ |
| प ऽ धूप ग् | मगु म प ऽ | ऽ पनी प ऽ | गुम गुम प ऽ |
| धू ० ल ० ला | ० ० ग तां ० | ० या ० पा ० | या ० ० ० ची ० |

| | | | |
|---------------|----------------|----------------|----------------|
| X | ○ | X | ○ |
| प पध सानी ध | प ध म प | गुम ऽगु मप | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| शिळा ०००अ | ह ० ल्या ० | झा ०००ली ० | ० ० ० ० |
| ऽ नी नी ऽ | धनीसानी धप | ऽ पध प ऽ | गुम ऽगु म प |
| ० ना बे ० | ची ००० या ० | ० न करी ० | ना ००० री ० |
| ऽ नी प म | गसा सामगुम | गुरे ऽ सा ऽ | सारे गुरे सानी |
| ० भ कां ० | चा ० तूं ००० | वा ० ० ली ० | रा ० ०० मा ० |
| ऽ नीं नीं नीं | सा सा सा ऽ | सारे गुरे सानी | ऽ सागु गु म |
| ० जा व र | अ पु ली ० | मा ००० या ० | ० ने ० ऊं ० |
| ऽ सां सां सां | ऽ नी सारे गुरे | ऽ नी नी ध | ऽ नीध प म |
| ० पा प ता | ० प क ० रि ० | ० दू र उ | ० द्द ० री ० |
| ऽ म म म | प ऽ पध सानी | ध ऽ प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० जी व ब | गं ० गा ० ०० | मा ० ई ० | ० ० ० ० |

(' न्हाणिन प्राशिन ' हे ' नावेची या न करी ' प्रमाणें) ॥२॥

| | | | |
|-------------------|---------------------|-----------------|------------------|
| ऽपनी नी नीसां | ऽ रे नीसां ऽ | ऽपनीनीनीसां | ऽ रे गुरे सां ऽ |
| ० ना ० व जा ० | ० मु ची ० ० | ० औ ० ट हा ० | ० त ०० ही ० |
| ऽपनी नी प | ऽ पसां सां नी | सारे ऽसां रे गं | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| गं ० गा ० | ० ओ कां ० | ढा ००० या ० | ० ० ० ० |
| ऽ गं गं गुं ऽ | रे गुरे सारे सां नी | नीसां रे रे सां | नीसांनी रे सां ऽ |
| ० त व नां ० | वा ००० ची ०० | ना ० ० व द | या ० ०० का ० |
| सां सारे सानी धाप | पम मप धप | गु मगु रे सा | सारे गुरे सानी |
| अ थां ०००० ग | भव ता ० ०० | रा ०० या ० | रा ००० मा ० |
| ऽ नीं नीं ऽ | ऽ सा सा ऽ | सारे गुरे सानी | ऽ सागु गु म |
| ० भ कां ० | ० उ द्दा ० | रा ००० या ० | ० ने ० ऊं ० |

॥१॥

॥३॥

सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ !

सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ ?

माझा-शोधुं कुठें रघुनाथ ?

रामावाचुनि जीवन वाया

गेली प्राणविसावा—

रामवियोगें मन हें व्याकुळ-

मृदुल फूल वणव्यांत ! ॥

दाखवि चरणां, निववी नयनां

सिंचुनि शीतल किरणां

ये ये आतां—ये रघुनाथा

दे प्रियदर्शन करि रे करुणा ! ॥

भरत झुरतसे तुजविण रामा-

प्राण उभे नयनांत ! ॥

सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ ताल—केरवा

| | | | |
|-------------|-----------------|----------------|------------------|
| ○ | X | ○ | X |
| ऽ रे म मधु | ऽ ऽ पध प म | ग रे सा रंग मग | रे ऽ ऽ सा |
| ○ सां गा ○ | ○ ञो धुं कु | ठें ○ रं धुं | ना ○ ○ थ |
| ऽ रे रे रे | रे सा रंग मग | रे सा ऽ सा | नी सा रसा ध ऽ |
| ○ ञो धुं कु | ठें ○ रं धुं | ना ○ ○ थ | मां ○ ○ शां |
| ऽ नीध प प | प म सा नी सा नी | ध प ऽ प | ऽ सा ध ऽ |
| ○ शो धुं कु | ठे ○ रं धुं | ना ○ ○ थ | ○ सां गा ○ ॥धृं॥ |
| | ऽ म म ऽ | ऽ म म म | ऽ प ध म |
| | रा ○ मा ○ | ○ वां चु नि | ○ जी व न |
| प ऽ प ऽ | ऽ परे सा ऽ | नी सा नी ध प | म ध प ऽ |
| वा ○ या ○ | ○ गो ला ○ | प्रां ○ ण वि | सा ○ वा ○ |

० X ० X
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रे रे रे रे ऽ रे सा ऽ रे म ऽ
 ० ० ० ० ० रा म वि यो ० गें ० ०म न हें ०
 रेगं ऽ रे रे ऽ नीसा ध धप ध म म ध प ऽ ऽ प ॥१॥
 ग्या ०० कु ल ० मृ दु क फू ० ल व ण ग्यां ० ० त

(ताळाशिवाय)

म प ध सा रे रे म ऽ ऽ गंमं गंरे सां गंरे ऽ ऽ रे गं रे सां ऽ ऽ
 दा ङ वि च र णां ० ० ० ० ० ० ० ० नि व वी ० ० ०

रे मं गंरे सांरे ऽ ऽ
 न य नां ० ० ० ० ० ०

सां नी सां ऽ ऽ नीसां रे सांरे ऽ नी ध म प नी सां नी ऽ सां ऽ ऽ
 सिं चु नी ० ० ० ० ० ० ० ० श्री ० त ल कि र णां ० ० ० ०
 प नी ऽ नी सां नी सां ऽ पनीसांरे ऽ सांरे नी ध नी ध प ऽ
 ये ये ० आ ० तां ० ० ये ० ० ० ० र घु ना ० ० था ० ०

ऽ नी नी ध ऽ पुध प म ऽ रेम प म प नी ध प
 ० दे प्रि य ० द ० शं न ० करि रे ० क रु णा ०
 ऽ पुरे रे रे रे रे रे सां ऽ रेम म म गं ऽ रे ऽ
 ०भ र त ङ्ग र त से ० ०तु ज वि ण रा ० मा ०

ऽ नी ध प प म म ध मध प ऽ प ऽ रेम म ध ॥२॥
 ० प्रा ण ट भे ० न य नां ० ० त ० सां ० गा ०

आले आले रघुवीर—

आले आले रघुवीर—

चला आले रणधीर ॥ धृ ॥

आज भाग्य उजळलें धन्य झालें
गंगातीर ॥ आले० ॥

चला पोरानों थोरानों—

चला आयानों बायानों ॥

चला चला सारे वेगें—

आतां घरवेना धीर ॥ १ ॥

संग ध्यारे पानं फुलं—

गोड फळं कंदमुळं ॥

राम-पाया पुजायाला—

गंगा माईऽचं नीर ॥ २ ॥

रघुवीर हाये कोन—

हित आला कशापायी ? ॥

हाये राजा अयोध्येचा—

त्येची रानी सितामाई ॥

सांगाती तो हाये—

भाऊ लक्ष्मन वीर ॥ ३ ॥

नाचूं गाऊं धरूं फेर—

करूं आनंदें गजर ॥

रामनामें टाकूं सारें—

घुमवून गंगातीर ॥ ४ ॥

रघुवीर डोळां पाहूं—

जीवभाव पायीं वाहूं ॥

अमृताचा समीदर गोड सावळं शरीर ॥ ५ ॥

आले आले रघुवीर० ताल—दादरा.

| | | | |
|---------------|--------------------------------|--------------------------------|-------------------------------|
| | X | X | X |
| सा रे आ ले | धं ऽ सा रे ग ऽ आ० ले र घु० | सा ऽ रे प म ऽ वी० र च ला० | ग ऽ रे सा रे रे आ० ले० र ण |
| | सा ऽ ऽ सा सा रे धी०० र आ ले | ॥धृ०॥ | |
| प प आ ज | प ऽ प ध नी ऽ आ० ग्य उ ज० | ध प ऽ ऽ ऽ ऽ ळ लें०००० | ऽ ऽ नी ध प ऽ ०००००० |
| | ऽ ऽ नी ध प ऽ ०००००० | प ऽ प ध नी ऽ आ० ग्य उ ज० | ध प ऽ ऽ प प ळ लें०० ध न्य |
| | प ध प म म ग झा० लें गं गा० | रे ऽ ऽ रे सा रे ती०० र आ ले | ॥ १ ॥ |

(ताल केरवा)

| | | | |
|----------------------------|-----------------------------|----------------------------------|----------------------------|
| X | X | X | X |
| ऽ ऽ ऽ सा सानी ००० च ला० | सा ग् रे ग् पो रा नों थो | रे सा ऽ सा सानी रा नों० च ला० | सा ग् रे ग् आ या नों बा |
| रे सा ऽ पुप आ नों० च ला | प प ध नी च ला सा रे | ध प प प वे गें आ तां | म ध प म ध र वे ना |
| ग ऽ ग सारे धी० र आ ले | ॥ २ ॥ | | |

(तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें.)

(ताल दादरा)

| | | | |
|----------------|--------------------------------|---------------------------------|------------------------------|
| | X | X | X |
| म ग म र घु० | प ऽ प ध प म वी० र हा ये० | प ऽ प म ग म को० न हि त० | प ऽ प ध प म आ० का क सा० |
| | प ऽ प नी नी ऽ पा० वी हा ये० | नी ऽ नी नी नी ध रा० जा भ बो० | प ध प म ग ऽ धे० आ त्ये धि |

× ×
 रे ग सा रे ग म ग ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
 रा ० नी सि ता ० मा ई ० ० ० ०

(ताल केरवा)

× × × ×
 प प प प प प प प प ध प म ग ऽ ऽ ग
 अ न् सां गा ती तो हा बे भा ऊ क क्षु म न वी ० ० र ॥४॥

(ताल दादरा)

× × ×
 सा सा रे ऽ ग ग म ग रे ग रे सा सा ऽ रे ऽ ग ग म ग
 ना चूं गा ० ऊं ध हं ० के ० र क हं ० आ ० नं दें गजर
 सा सा
 क हं

(ताल दादरा)

× × ×
 सा सा नीं ऽ सा रे ग् ऽ रे ऽ रे ऽ ऽ ऽ प प प ध प म
 र धु वी ० र डो लां ० पा ० हूं ० ० ० जि व भा ० व पा
 ऽ ग ग ऽ रे सा
 ० वीं वा ० हु ०

(ताल केरवा)

× × × ×
 प प प प ध नी ध प प ध प म ग ऽ ग सा सा
 अ मृ ता षा स मीं द र सा व कं अ री ० र आ के ॥ ६ ॥

आपलें घर

आपलें घर

देश आपुला-हें अपुलें घर ॥

हीन दीन जे पंकीं रुतले

प्रिय ते अपुले बान्धव सगळे

सेवा त्यांची-देवाजीची—

पूजा, अर्चा हीच पुण्यकर— ॥ १ ॥

रोगदुःखभय करूं निवारण

मृतांस देऊं अभिनव जीवन—

ज्ञानमन्त्र सकलांस शिकवुनी

प्रकाश पसरूं प्रसन्न सुखकर— ॥ २ ॥

लयास नेऊं दास्य, विषमता—

ध्याऊं मंगल प्रीतिदेवता—

स्वातन्त्र्याचा समानतेचा—

फडकत ठेवूं ध्वज उंचावर— ॥ ३ ॥

हें अपुलें घर० ताल-केरवा

× ○ × ○
गं मं पं नीं सा ऽ रे ग रेग पम ग रे साग रेग सा नीं
हें ○ अ पु लें ○ घ र हें ○ ○ अ पु लें ○ ○ घ र
प ऽ रे रे ग रे सा नीं
दे ○ स भा ○ पु ला ○ ॥ धृ० ॥

ऽ नीं धं नीं सासा नींसाग् रेग् रेसा ऽ नीं धं पं धं नीं धं पं
○ ही न दी ○ न जे ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ पं कीं ○ रु त ले ○

| | | | |
|--------------|----------------|--------------|---------------|
| X | ○ | X | ○ |
| ऽ धं नीं घ प | धं सा सा ऽ | ऽ सारे ऽ गमु | ग मुग सा ऽ |
| ○ प्रि य ते○ | अ पु ले ○ | ○ वां ○○ ध व | स ग ○ ले○ |
| ऽ सा ग ऽ | गमप पध पध | पम ग् ग् सा | सारे मग् रे ऽ |
| ○ से वा ○ | त्यां○○ ची○ ○○ | ○ दे वा ○ | जी○ ○○ ची○ |
| प ध घप म | म ऽ म ऽ | ग ऽ सा रे | ग म ग ग |
| पू ○ जा○ ○ | अ ○ र्चा ○ | ही ○ च पु | ○ ण्व क र |
| प ऽ रे रे | ग रे सा नीं | | |
| दे ○ क्ष ञा | ○ पु ला ○ | ॥ १ ॥ | |
| प ऽ ग् ग् रे | ग् प प | ऽ प प ध | पुध पुप ग् रे |
| रो ○ ग दुः | ○ ख भ य | ○ क हं नि | वा○ ○○ र ण |
| रे ग् सा रे | रेग् प प ऽ | ध प ध म | मप ध ध ध |
| मृ तां ○ स | दे ○○ ऊं ○ | अ भि न व | नी○ ○ व न |
| ऽ ध ध ध | ऽ ध ध प | धसा नीनी धप | धनी सानी ध प |
| ○ ज्ञा व मं | ○ त्र स क | ळां○ ○○ स जि | क○ वु○ नी○ |
| प ध ऽ ध | प धप म ऽ | ग ग ऽ सा | रे ग पमु ग |
| प्र का ○ श्र | प स○ हं ○ | प्र स ○ क्ष | सु ख क○ र |
| ब ऽ रे रे | ग रे सा नीं | | |
| दे ○ क्ष ञा | ○ पु ला ○ | ॥ २ ॥ | |
| प ग ऽ प | ग सा गग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ल या ○ स | ने ○ ऊं ○ | ○ ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ○ |
| ग मु प ध | प मु प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| दा ○ स्थ वि | ष म ता ○ | ○ ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ○ |
| ग म प ऽ | ऽ ऽ पध सानीं | ध प मप धप | म ग ऽ सा |
| ध्वा○ ऊं ○ | ○ ○ मं○ ○○ | ग ल प्री○ ○○ | ति दे ○ व |
| गग ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ध ध ऽ | ध ऽ ध ऽ |
| ता○ ○ ○ | ○ ○ ○ ○ | ○ स्वा तं ○ | श्या○ चा ○ |

| | | | |
|---------------|---------------|--------------|---------------|
| X | ° | X | ° |
| ध धनी रेसा नी | ध नी प ऽ | ऽ पनी नी नी | नी ऽ सा नी धप |
| स मा० ०० न | ते ० चा ० | ० फ ड क त | ठे ० वूं ० ०० |
| ऽ पप सा ऽ | सा ऽ सा सारेण | रेण सारे नीध | नी सा सा सा |
| ० ध्व ज ऊं ० | चा ० व र०० | ०० ध्वज ऊं ० | चा ० व र |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | | | |
| ० ० ० ० | ॥३॥ | | |

आला श्रावण नाचत गात

आला-आला श्रावण नाचत गात ॥
 मनमोहन जणुं यदुनाथ ॥
 कृष्ण-घनांचा सारुनि बुरखा
 लखलखते गगनांत—
 चंचल चपला राधाबाला—
 शोधितसे निजनाथ ! ॥ २ ॥

प्रकाश क्षणभर, क्षणभर छाया—
 जलधारा निमिषांत—
 खेळ चालला यमुनातीरीं—
 लपला हरि कुंजांत ! ॥ २ ॥

सुखवी वृष्टी-सजली सृष्टी--
 करुनी हिरवा थाट
 मूर्तिमंत शृंगारच आला--
 श्रावण नाचत गात ! ॥ ३ ॥

आला श्रावण नाचत गात० ताल—केरवा

| | | | |
|-----------------|-------------------|--------------|-------------------|
| धनी रे सां ऽ | नी ध ध सां नी सां | ध ऽ ऽ प | ऽ म ग रे |
| आ०० ला० | ०० आ००० | ला००० | ० श्रा व ण |
| ग प ध नी | ध ध ऽ प ऽ | गमु गमु ध | मु ध नी ध प प |
| ना० च त | गा०० त० | मन मो०० | ०००० ह न |
| नी ध नी रे ग रे | सां ऽ ऽ ध | धनी रे सां ऽ | नी ध ध सां नी सां |
| ज णुं य० दु० | ना०० थ | आ०० ला० | ०० आ०००० |
| ध ऽ ऽ प | ऽ म ग रे | ग प ध नी | ध ध ऽ प ऽ |
| ला००० | ० श्रा व ण | ना० च त | गा०० त० ॥४०॥ |

| | | | |
|------------------|---------------|----------------|-------------------|
| ऽ धनी सा रे | सा ऽ नी ऽ | ऽ ऽ ऽ नीसा | रे ग नी रे |
| ० कृ ० णघ | नां ० चा ० | ० ० ० सा ० | रु नि बु र |
| साऽरेसाऽरेसाऽरे | नीसानीसाधनीपध | ऽ साग रे ग | सा ऽ नी पध |
| खा००००००० | ०० ०० ०० ०० | ० लख ल ख | ते ० ग ग ० |
| सां ऽ ऽ सां | ऽ नी घ प | ग म ग ऽ | ग म प ध |
| नां ० ० त | ० चं च ल | च प ला ० | रा ० धा ० |
| साऽरेसासा धप | ग म म ध | धनी नीरे गेरे | सां ऽ ऽ सां |
| बा००० ला० | शो ० धि त | से० नि० ज० | ना ० ० थ ॥ १ ॥ |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | रे गू ऽ गू | रे ग सा सा | ऽ पध सा सा |
| ० ० ० ० | प्र का ० द्वा | क्ष ण भ र | ० क्ष ण भ र |
| साऽरेमग रेगसाऽरे | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ गम रेग साऽरे | ऽ पध घ सा |
| छा०००या००० | ० ० ० ० | ००००००० | ० जल धा ० |
| सां ऽ रेम पम | गू ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सां | ऽ रेरे रे ऽ |
| रा ० नि० मि० | षां ० ० ० | ० ० ० त | ० ज ल धा |
| रे सा रेग मग | रे सां ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सां | ऽ रेग रे सां |
| रा० नि० मि० | षां ० ० ० | ० ० ० त | ० खे ० ल चा |
| ऽ रे रेसा नी | ऽ धसा नी घ | ध नी नीध प | ऽ धनी ध प |
| ० ल ला ० ० | ० य मु ना ० | ती ० री ० ० | ० ल प ला ० |
| धसा रेग मग | रे सां ऽ सां | | |
| हरि कुं ० ० ० | जां ० ० त | ॥ २ ॥ | |
| सां रे सा नी | सां रे रे ऽ | ऽ रेग म ग | रे गू रे ऽ |
| सु ख वी ० | वृ ० छी ० | ० सज ली ० | सृ ० छी ० |
| रे गू गेरे सा | रेग रेग मप | मं ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ मं |
| क रु नी ० ० | हिर वा ० ० ० | था ० ० ० | ० ० ० ट |
| गं ऽ गं गं | ऽ गं गं मं | मं ऽ मं मं | रेम गू रे ऽ |
| मू ० तिं मं | ० त श्रं ० | गा ० र च | बा ० ० ला ० ॥ ३ ॥ |

बाळा जो जो अंगाई

बाळा जो जो अंगाई

गाई रजनीमाई ॥

निजलीं सारीं रान-पांखरें

गातीं निर्झर गाती घारे-

गाति दिशाही दाही-॥ १ ॥

आकाशामधि शब्दांवाचुनि

यक्ष यक्षिणी गातीं गाणीं-

लहर तरंगत येई-॥ २ ॥

सुबक रुपेरी तुझा पाळणा

नक्षत्रांच्या राघू मैना-

छतास जडल्या पाही-॥ ३ ॥

हंसरा माझा राजसराणा

कुणा दिसेना कधि रडतांना-

दृष्ट न होवो बाई !-॥ ४ ॥

बाळा जो जो अंगाई० ताल—केरवा

| | | | |
|------------------|-------------|--------------|----------------|
| × | ० | × | ० |
| ग मग रे सा | नीं सा रे ग | रे ऽ सा ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| बा ०० ला ० | जो ० जो अं | गा ० ई ० | ० ० ० ० |
| ऽ ऽ नीं ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | पुंधुं ऽ ऽ ऽ | पं ऽ ऽ ऽ |
| ० ० जो ० | ० ० ० ० | जो ० ० ० ० | जो ० ० ० |
| धंनीं धनीं सानीं | ध्रुप ऽ ऽ ऽ | धं सा रे ग | रे ऽ सा ऽ |
| गा ० ० ० ० ० | ई ० ० ० ० | र ज नी ० | मा ० ई ० |
| ग ऽ ऽ सा | रेम ऽ ऽ ऽ | ग मग रे सा | नीं सा रे ग |
| जो ० ० ० | जो ० ० ० ० | बा ०० ला ० | जो ० जो ० ॥४०॥ |

| | | | |
|----------------|----------------|---------------|-------------|
| X | ० | X | ० |
| ऽ सारे नीं ऽ | धं नीं धं पं | ऽ धं नीं प ध | सा सा सा ऽ |
| ० निज लीं ० | सा ० रीं ० | ० रा० न पां | ० ख रें ० |
| ऽ म ऽ म | म ऽ म म | ऽ गम पध प | ग सा गग ऽ |
| ० गा ० तीं | नि ० र्क्ष र | ० गा० ०० ती | वा ० रे ० ० |
| ऽ रेगु रे ग् | रेगु रेगु सा ऽ | सारे ग ऽ सा | रेम ऽ ऽ ऽ |
| ० गा० ति दि | शां००० ही० | दा०० ० ० | हीं० ० ० ० |
| ऽ धं नीं ऽ साग | ग म म म | ऽ म ध प | ग म म म |
| ० बा०० का० | शा ० म धि | ० श ब्दां ० | वा ० चु नि |
| ऽ धू धू प | ऽ धू म ऽ | ऽ रेगु ऽ मगु | रे ग् सा ऽ |
| ० य क्ष य | ० क्षि णी ० | ० गा० ० तीं ० | गा ० णीं ० |
| ऽ रेगु रे ग् | रे ग् सा सा | सारे ग ऽ सा | रेम ऽ ऽ ऽ |
| ० क ह र त | रं ० ग त | ये० ० ० ० | ई० ० ० ० |
| ऽ सारे सानीं | धं नीं धं पं | धं सा ऽ ग | ऽ मगु रे सा |
| ० सु ब क रु | पे ० री ० | तु झा ० पा | ० ळ० णा ० |
| ऽ म म ऽ | म ऽ म ऽ | गमपधधपम | ग सा गग ऽ |
| ० न क्ष ० | त्रां ० च्या ० | रा००० घू०० | भै ० ना० ० |
| रे ग् रे ग् | रे ग् सा ऽ | सारे ग ऽ सा | रेम ऽ ऽ ऽ |
| छ तां ० स | ज ढ ल्या ० | पा० ० ० ० | ही० ० ० ० |
| म ध ध ऽ | ऽ ऽ म ऽ | मप मप ऽ ऽ | ऽ ऽ ग ऽ |
| हं स रा ० | ० ० ० ० | मा० झा० ० ० | ० ० ० ० |
| ऽ ग ग म | रे ऽ सा ऽ | ऽ मम ऽ म | म ऽ म ऽ |
| ० रा ज स | रा ० णा ० | ० कुणा ० दि | से ० ना ० |
| ऽ गम ग म | रे सा गगु ऽ | ऽ ग् रे ग् | रे ग् सा ऽ |
| ० क धि र ढ | तां ० ना ० ० | ० दृ ष्ट न | हो ० वो ० |
| सारे ग ऽ सा | रेम ऽ ऽ ऽ | मगमग रे सा | नीं सा रे ग |
| बा० ० ० ० | ई० ० ० ० | बा ० ० ळा ० | जो ० जो ० |

॥१॥

॥२॥

॥३॥

॥४॥

दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार

दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार हो
 जी हां ! राणी सरकार हो !
 अथांग जळीं, फेकूनि जाळीं
 लुटा मासळी बेदरकार् ॥
 दरियाच्या कुशीं-मोत्याच्या राशी
 लुटूनि सजवूं पितींची नार् ॥
 सोन्याची सरी, गोठ तोडे भारी
 जरतारी साडी नखरेदार् ॥
 सांजेच्यापारी-डौलांत घरीं
 मिरवत येऊं मर्द शिलेदार् ॥
 भाकर पोटाला, चिलीम ओठाला
 शेजेचा न्यारा करूं शिणगार् ॥

दरियाच्या दुनियेचे० ताल—केरवा

| | | | |
|---------------|--------------|------------|--------------|
| X | ० | X | ० |
| रेगरे गुरे सा | धंघं पं ऽ पं | धंऽसा सासा | रे ऽ रे ग् ऽ |
| दरिया००च्या | दुनिये० चे | शू० र स र | दा० र हो० |
| रे सा ऽ धं | सा ऽ रे ग् | रेऽसा सा ऽ | ॥४०॥ |
| जी हां० रा | णी० स र | का० र हो० | |
| रे म ऽ प | म रे ऽ ऽ | रे म ऽ प | म रे रे ऽ |
| अथां० ग | जळीं०० | फेकू० नि | जा० लीं० |
| रे रे ऽ रे | ऽ ग् सा ऽ | धं ऽ सा सा | रे ऽ रे ग् ऽ |
| लुटा० मा | ० सळी० | बे० दर | का० र हो० |
| रे सा ऽ धं | सा ऽ रे ग् | रेऽसा सा ऽ | ॥१॥ |
| जी हां० रा | णी० स र | का० र हो० | |

| | | | |
|---------------|-------------|----------------------------------|--------------|
| X | ○ | X | ○ |
| पधु ध ऽ नी | धुप ऽ ऽ ऽ | पधु ध सां सां | नी ध प ऽ |
| दरि या ○ च्या | कुशीं ○ ○ ○ | मो ○ त्या ○ च्या | रा ○ शी ○ |
| प प ऽ ग | रे गू सा ऽ | धं धं धं सा सा | रे ऽ रे ग ऽ |
| छ दू ○ नि | स ज वूं ○ | पिर ती ○ ची | ना ○ र हो ○ |
| | | जी हां रा णी स र का र हो ○ ॥ २ ॥ | |
| रे म ऽ प | ग म ऽ ऽ | प ऽ ध प म | ग ऽ रे ऽ |
| सो न्या ○ ची | स री ○ ○ | गो ○ ठ तो डे | भा ○ री ○ |
| पप प ऽ गू | रे गू सा ऽ | ऽ ध ध सा ऽ | रे ऽ रे ग ऽ |
| ज र ता ○ री | सा ○ डी ○ | ○ न ख रे ○ | दा ○ र हो ○ |
| | | जी हां रा णी स र का र हो ○ ॥ ३ ॥ | |
| म मधु ध | म ध ध ऽ | ध पधु प म | ग मगु रे ऽ |
| सां जे ○ च्या | पा ○ री ○ | डौ कां ○ त | ध ○ ○ री ○ |
| पप प ऽ गू | रे गू सा ऽ | धं सा सा सा | रे ऽ रे गू ऽ |
| मि र व ○ त | ये ○ ऊं ○ | म दं शि ले | दा ○ र हो ○ |
| | | जी हां रा णी स र का र हो ॥ ४ ॥ | |
| रे गू ऽ सा | रे म म ऽ | नी ध ऽ नी | धुध ऽ प ऽ |
| भा कर ○ पो | टा ○ ला ○ | चिळीम ○ जो | ठा ○ ○ ला ○ |
| ध प ऽ ग | रे ग सा ऽ | धं धं सा सा | रे ऽ गू ऽ |
| झे जे ○ चा | न्या ○ रा ○ | क रूं शि ण | गा र ○ हो ○ |
| | | जी हां रा णी स र का र हो ○ ॥ ५ ॥ | |

अपुलें घर तें नाही

तें नाही रे नाही-
अपुलें घर तें नाही ॥
काट्यांची किरकिर
सासूची पिरपिर
मामंजी खवीस राही-जिथं—
मामंजी खवीस राही—॥
मणभर दळण
गाडीभर धुणं-
उपास पोटभर होई-जिथं-
उपास पोटभर होई—॥
गुरावाणी खपा
मर्जीला जपा-
आनंद रुसून जाई-तरी-
आनंद रुसून जाई—॥
खलबत्ता कुटा-
वरवंटा पाटा—
फोडा तयावर डोई-चला-
फोडा तयावर डोई—॥

तें नाही रे नाही० ताल—केरवा.

० X ० X
S S S ग S ग ग प ग रे सा S धं नीं नीं धं पं
० ० ० तें ० ना हीं रे ना ० हीं ० न पु के० ०
धं सा रे ग गुरे सा सा S रे ग गुरे सा सा S सा S
घ रं तें ० ना ० ० हीं ० तें ० ना ० हीं ० ० ० ॥धृ०॥

x

o

x

सा सा ऽ पं धं ऽसा सा सा सा रे ऽरे ग
का व्यं ० ची कि० र कि र सा सू० ० ची

रेऽग रे ग धं सा ऽ सा सा सा ऽ सा रेग सारे ऽ
पि० र पि र मा मं ० जी ख वी ० स रा० ०० ०

ऽ ऽ ग ग धं सा ऽ सा सा रे ऽ मु ग रे सा ऽ ॥१॥
० ० जि थं मा मं ० जी ख वी ० स रा ० ही ०

धं सा रे ग सा रे ऽ रे ग म प ध
म ण भ र द ल ० ण गा डी भ र

म प ऽ ऽ म म ऽ म म म म म गमपध मपधप
धु णं ० ० उ पा ० स पो ट भ र हो००० ००००

ग ऽ रे ग धं सा ऽ सा सा रे ग मु ग रे सा ऽ ॥२॥
ई ० जि थं उ पा ० स पो ट भ र हो ० ई ०

ऽ ऽ ऽ ऽ ग म प ध प ध ऽ ऽ म ष ऽ म
० ० ० ० गु रा वा णी ख पा ० ० म र्जी ० ला

ग रे ऽ ऽ ध ध ऽ ध ध ध ऽ ध प धप मप म
ज बा ० ० आ नं ० द रु सू ० नि जा ०० ई ० ०

ग रे सा सा धं सा ऽ सा रे रे ऽ मु ग रे सा ऽ ॥३॥
० ० त री आ नं ० द रु सू ० नि जा ० ई ०

ममप ऽ ध म प ऽ ऽ धधध ऽ नी
ख ल ब० ता कु टा ० ० व र वं० टा

ध ध प ऽ नी नी ऽ नी ध नीध प धप म पम ग मग
पा ० टा ० फो डा ० त या ०० व र० डो ०० ई ००

रे ऽ सा रे धं सा ऽ सा सा ऽ रे मु ग रे सा ऽ ॥४॥
० ० च का फो डा ० त या ० व र डो ० ई ०

हीं सजीव सुमनें

हीं सजीव सुमनें देवा
 हांसरी सदोदित ठेवा ॥
 दुःखाचा प्रखर निखारा
 रोगांचा विषमय वारा-
 छकुल्यास न या लागावा ! ॥
 लतिकेवर हंसत डुलावे
 हांसुनी जगा हंसवावे-
 मकरन्द मधुर पसरावा ! ॥
 छळ दुःख संकटें नाना
 द्या शाप ताप थोरांना-
 छळुं नकाच चिमण्या जीवां ! ॥
 काळाचा घांस न व्हावा
 हा निर्मल नाजुक ठेवा
 तुमचीं हीं रूपें देवा !-॥

हीं सजीव सुमनें० ताल—केरवा.

| | | | |
|--------------|---------------|----------------|--------------------|
| X | ० | X | ० |
| ऽ ऽ सारे गू | रेसा धं ऽ पं | पं धं सा ऽ | सारे मपम ग ऽ |
| ०० हीं ०० | स ० जी ० व | सु म नें ० | दे०००० वा० |
| सारे गम ग ग | ऽ म रे ऽ | सासा धं सारे म | रे सा धं सा |
| हां००० सरी | ० स दो ० | दि त ठे००० | ०० बा ० |
| रेरे ऽ गू ऽ | रेसा धं ऽ. पं | पं धं सा ऽ | सारे मपम गू ऽ ॥धृ० |
| ०० हीं ०० | स ० जी ० व | सु म नें ० | देवा०००० वा० |
| ऽ रे रे गू | रे सा ऽ रेग | म प म ऽ | गू ऽ रे सा |
| ० दुः खा ० | चा ०० प्रख | र नि खा ० | ०० रा ० |
| ऽ धंसा रे गू | रे सा ऽ रेप | म प म ऽ | रेग मंग रेसा |
| ० रो ० गां ० | चा ०० वि ष | म य वा ० | ०००० रा ० |

X • X •
 प प पध सांनी ध प म ऽ ग सा सारे मग् रे ऽ ऽ ऽ
 छकुल्या००० स न या ० कां गा०० वा ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ १ ॥

(पहिली ओळ तालशिवाय म्हणणें)

पं पं धंसाधं धंसा सासा सा ग ग प ग ऽ सा रेरेऽ ग् मग् रे सा ग् ऽ रेरे
 ल ति के०० ०० व र हं स त डु ला ० वे ०००० ल ति के००० व र
 सारे गम मम ऽ पम ग ऽ ग म रे सा गग ऽ प प
 हां००० सु नी ० ज० गा ० हं स वा ० वे० ० म क
 पध सांनी धप म म ग सा सारे मग् रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
 रं००० द म धु र प स रा००० वा० ० ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ २ ॥

प प ग् ऽ ग् रे ऽ ग् सा ऽ सारे ग् रे ग् म प
 छ ल दुः ० ख सं ० क टें ० ना० ० ना ० ० ०
 मप ध ध ऽ ध ध ऽ ध ध प धसांनी ध ऽप ग म
 धा ०० शा ० प ता ० प थो ० रां० ० ना ० ० ०
 प ध म् प ऽ म ग मग रे सा सारे मग् रे ऽ ऽ ऽ
 छ लुं न का ० च चि म० ण्या० जी००० वा ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ ३ ॥

ऽ ऽ प ऽ ग् ऽ सा ऽ नीं ऽ पं पं धं सा सा ऽ
 ० ० का ० ला ० चा ० धां ० स न ष्हा ० वा ०
 ऽ ऽ सारे ग ग ऽ ग ग ऽ गम प ध म ग म ऽ
 ० ० हा० ० नि ० मं ल ० ना० जु क ठे ० वा ०
 ऽ ऽ प प पध सांनी धप म ऽ गे सा सारे मग् रे ऽ
 ० ० तु म चीं००० हीं० रू ० पें ० दे००० वा०
 सारे गम ग ग ऽ म रे ऽ सासा धंसा रेम रे सा धं सा
 हां००० स री ० स दो ० दि त ठे००० ० ० वा ० ॥ ४ ॥

